

कैबिनेट

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

समय ही समय से

जूझ रहा है

चारों ओर तलवारें

तनी हैं

बीच में इंसान खड़ा है

चारों ओर बेईमान

सिपाहियों की

फौज खड़ी है

बीच में ईमान खड़ा है

पहाड़-सा अडिग

चारों ओर हाहाकार की

शोर है

बीच में संगीत की गूंज है

चारों ओर भड़ियों की

भीड़ है

बीच में तनी हुई रीढ़ के साथ

स्त्रियां खड़ी हैं

चारों ओर झूठे वादों की

भरमार है

बीच में सत्य बोल रहा है

पूरी दृढ़ता के साथ

ऐसे में

समय ही समय से

लोहा ले रहा है।

- दुर्गाप्रसाद झाला

जम्मू-कश्मीर में पहले फेज में 60 फीसदी वोटिंग

- किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 77.23 फीसदी वोट पड़े

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में पहले फेज के लिए बुधवार शाम 6 बजे वोटिंग खत्म हो गई। बुधवार को 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए मतदान हुआ।

प्रसंगवश

ऑकारेश्वर पांडेय

अपनी पत्नी और आम आदमी पार्टी की एक कद्दावर नेता बन चुकी नेता सुनीता केजरीवाल को दरकिनार कर आतिशी मार्लेना का चुनाव करके पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल ने एक तीर से कई निशाने साधे हैं। अगर वे सुनीता केजरीवाल को चुनते तो उनके ऊपर भी लालू यादव की तरह, बिना अनुभव के सिर्फ परिवारवाद को बढ़ावा देने और पार्टी में लोकतंत्र खत्म कर देने जैसे आरोप लगाये जाते। सुनीता केजरीवाल ने पति और पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल के जेल के दिनों के मुश्किल राजनीतिक दौर में उनका और पार्टी का पूरा साथ समर्थन तो दिया, लेकिन आतिशी का चुनाव शुद्ध रूप से उनके प्रशासनिक अनुभव, साफ छवि, और सुधारवादी दृष्टिकोण के साथ साथ केजरीवाल के प्रति उनकी पूर्ण वफादारी के कारण सर्वाधिक उपयुक्त माना जा रहा है। हालांकि आतिशी के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी सत्ता का सुखदायी सिंहासन नहीं, बल्कि चुनौतियों और कांटों से भरा ताज मिला है।

आम आदमी पार्टी (आप) के अन्य कई वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री पद के लिए योग्य हो सकते थे, लेकिन उनके खिलाफ लगे विभिन्न आरोप और कुछ अन्य कारणों से शायद वे इस पद के लिए चयनित नहीं हुए।

1. **उप मुख्यमंत्री तथा शिक्षा और वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया:** पार्टी में दूसरे नंबर के बड़े नेता मनीष भी दिल्ली शराब नीति घोटाले में आरोपी हैं और गिरफ्तार भी हो चुके हैं।

2. **स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन:** दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक की सफलता के लिए जाने जाने वाले जैन पर भी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप हैं और उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था।

3. **परिवहन और पर्यावरण मंत्री गोपाल राय:**

गोपाल राय एक अनुभवी और प्रभावशाली नेता हैं, लेकिन जनाधार सीमित है और किसी बड़े प्रशासनिक सुधार या योजना में उतनी प्रमुख भूमिका नहीं रही है।

4. **कैलाश गहलोत:** गहलोत पर भी कुछ विवादास्पद जमीन सौदों से जुड़े आरोप हैं।

5. **सुनीता केजरीवाल:** अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल का भी नाम संभावित उम्मीदवारों में था, लेकिन उनका प्रशासनिक अनुभव सीमित है और राजनीति में उनकी कोई सीधी भूमिका नहीं रही है।

आतिशी की छवि साफ है, प्रशासनिक अनुभव मजबूत है और शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान प्रमाणित है। उनका चयन पार्टी को स्वच्छ और प्रगतिशील नेतृत्व देने के अवसर के साथ विपक्ष के आरोपों का भी माफ़ूत जवाब है।

हालांकि दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी को सत्ता का सुखदायी सिंहासन नहीं बल्कि चुनौतियों और कांटों से भरा ताज मिला है। मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी के सामने अनेक चुनौतियाँ होंगी जो न केवल उनकी प्रशासनिक क्षमता की परीक्षा लेंगी, बल्कि उनकी राजनीतिक सूझ-बूझ और नेतृत्व क्षमता का भी सख्त इम्तिहान होंगी। सबसे बड़ी चुनौती सुशासन की होगी, जो दिल्ली के आम आदमी की जमीनी समस्याओं से जुड़ी है- चाहे वह पानी की किल्लत हो, प्रदूषण का मुद्दा हो, या स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार के निरंतर प्रयास। इसके अलावा, लेफ्टिनेंट गवर्नर के साथ तालमेल बैधाना, जो अक्सर दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच टकराव का कारण बनता है, भी आतिशी के लिए एक प्रमुख चुनौती होगी।

अरविंद केजरीवाल ने एक बार कहा था, ‘आतिशी भारतीय राजनीति में सबसे उज्ज्वल दिमागों में से एक हैं। उनका शिक्षा व्यवस्था में सुधारों का कार्य

अतुलनीय है, और उनमें दिल्ली को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता है।’

केजरीवाल का उनके प्रति यह भरोसा स्पष्ट है, लेकिन एक सुधारक से लेकर एक राजनीतिक नेता बनने तक की यात्रा, जो दिल्ली जैसे जटिल शहर की पूरी शासन संरचना को संभालेगी, एक कठिन कार्य होगा।

सुशासन, शिक्षा सुधार, और महिला सशक्तिकरण की प्रमुख कर्ताधर्ता रही आतिशी मार्लेना दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में कम उम्र में राजनीति की उस ऊंचाई पर जा खड़ी हुई हैं, जहां पहुंचने के लिए अनेक नेता अपना पूरा राजनीतिक जीवन लगा देते हैं। राजनीतिक लचीलेपन, बौद्धिक दृष्टिकोण और सुधारवादी नीतियों से भरी उनकी यात्रा और पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल का उनके प्रति विश्वास ने उन्हें दिल्ली की नेतृत्व भूमिका में ला दिया है, जो एक लाइफ टाइम एचीवमेंट और स्वर्णिम अवसर है।

मुख्यमंत्री पद की चुनौती उनके नेतृत्व, प्रशासनिक क्षमताओं और राजनीतिक कौशल की नई परीक्षा तो होगी ही पार्टी के अंदरूनी समीकरणों को संभालना, विपक्ष के हमलों का प्रभावी जवाब देना और पार्टी की छवि को बनाए रखना भी उनके लिए चुनौतीपूर्ण होगा। बावजूद इसके कि उन्हें केजरीवाल का समर्थन प्राप्त है, यह अवसर उनके लिए महत्वपूर्ण भी है और चुनौती पूर्ण भी। देखना होगा कि वह इन कड़ी चुनौतियों से कैसे निपटती हैं और दिल्ली की जनता का विश्वास कैसे जीतती हैं।

जब केजरीवाल, सिसोदिया व संजय सिंह से लेकर पार्टी के कई बड़े नेता जेल में थे, और दिल्ली सरकार में नेतृत्व का अभाव सा था, तो आतिशी ने इन महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को कुशलतापूर्वक संभाल कर अपनी प्रशासनिक क्षमता साबित की, जिससे पार्टी में उनके प्रति विश्वास और मजबूत हुआ।

आतिशी की राजनीतिक यात्रा में कठिनाइयाँ भी रही हैं। 2019 लोकसभा चुनाव में पूर्वी दिल्ली से बीजेपी के गौतम गंभीर से हारना उनके लिए बड़ा झटका था। इस हार ने दिखाया कि उन्हें जनाधार बढ़ाने और मजबूत राजनीतिक व्यक्तित्व के निर्माण की आवश्यकता है। हालांकि 2020 के विधानसभा चुनाव में कालकाजी से उनकी जीत ने उनकी राजनीतिक स्थिति को मजबूत किया। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष रही स्वाति मालीवाल द्वारा केजरीवाल के पीए रहे विभव कुमार पर लगाये आरोपों और केजरीवाल द्वारा उन्हें राज्यसभा से इस्तीफा देने को कहने के बीच जारी विवादों के आलोक में भी आतिशी का मुख्यमंत्री बनना यह साबित करेगा कि आप प्रगतिशील नेतृत्व, लैंगिक समानता और स्वच्छ शासन के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी का चुनाव एक अहम रणनीतिक कदम भी है और बीजेपी और कांग्रेस द्वारा पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल की आलोचनाओं का जवाब भी। केजरीवाल ने यह साफ संदेश दिया है कि आप भविष्य के लिए नए नेताओं को तैयार कर रही है जो पार्टी को आगे ले जा सकते हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री बनना आतिशी मार्लेना के लिए एक निर्णायक क्षण है। आतिशी ने कहा है, ‘अच्छा शासन केवल नीतियों के बारे में नहीं है, यह लोगों के बारे में है।’ इस कथन में उनका मानवीय दृष्टिकोण स्पष्ट है, लेकिन मुख्यमंत्री के तौर पर उनके धैर्य, दृढ़ संकल्प और नेतृत्व की वास्तविक परीक्षा होगी। अगर वह इन चुनौतियों से पार पाती हैं, तो वह न केवल दिल्ली की एक प्रमुख नेता बनेंगी, बल्कि भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय भी लिखेंगी।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

वन नेशन वन इलेक्शन को मोदी कैबिनेट की मंजूरी

विधानसभा-लोकसभा चुनाव साथ होंगे,नवंबर-दिसंबर में आएगा बिल

अगले 100 दिन में निकाय चुनाव भी,आगे का सफर नहीं होगा आसान



नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में एक देश एक चुनाव को बुधवार को मोदी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई। वन नेशन वन इलेक्शन के लिए एक कमेटी बनाई गई थी जिसके चेयरमैन पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद थे। कोविंद ने अपनी रिपोर्ट इस पर मोदी कैबिनेट को दी जिसके बाद उसे सर्वसम्मति से मंजूर कर दिया गया। हालांकि इसके बाद आगे का सफर आसान नहीं होने वाला है। इसके लिए संविधान संशोधन और राज्यों



की मंजूरी भी जरूरी है, जिसके बाद ही इसे लागू किया जाएगा। एक देश एक चुनाव पर पूर्व राष्ट्रपति

रामनाथ कोविंद की रिपोर्ट को नरेंद्र मोदी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। माना जा रहा है कि अब केंद्र सरकार इसे शीतकालीन सत्र में संसद में लाएगी। हालांकि, ये संविधान संशोधन वाला बिल है और इसके लिए राज्यों की सहमति भी जरूरी है। 2024 के आम चुनाव में बीजेपी ने वन नेशन वन इलेक्शन का वादा किया था। मार्च में, राम नाथ कोविंद के नेतृत्व में पैनल ने अपनी 18,626 पेज वाली रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। कैबिनेट की ओर से हां के संकेत एक दिन पहले ही मिल गए थे, जब गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि एक राष्ट्र, एक चुनाव मोदी सरकार 3.0 के कार्यक्रम के दौरान अगले पांच वर्षों के भीतर लागू किया जाएगा।

कोलकाता केस में डॉक्टरों का हड़ताल खत्म करने से इनकार

- ममता बनर्जी से फिर मीटिंग की मांग की, कहा-आधी जीत हुई, हेल्थ सेक्टर की इस्तीफा दें



कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल खत्म करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने ममता से एक और मीटिंग की मांग करते हुए चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत को ईमेल

भेजा है, जिसमें कहा गया है कि अभी तक सभी मांगें नहीं मानी गई हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को ममता से एक और मीटिंग की मांग करते हुए जूनियर डॉक्टरों ने राज्य सरकार से

पुलिस कमिश्नर और हेल्थ सेक्टर की ओर हटाने समेत 5 मांगें की थीं। इसके लिए वे 40 दिन से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। 16 सितंबर को जूनियर डॉक्टर और ममता के बीच मीटिंग हुई थी। इसमें ममता ने डॉक्टरों की 5 में से 3 मांगें मान ली थीं। उन्होंने मंगलवार को पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को पद से हटाया था। उनकी जगह मनोज वर्मा को कमिश्नर बनाया गया। बुधवार सुबह प्रदर्शन जारी रखते हुए डॉक्टरों ने कहा- अभी आधी जीत हुई। हेल्थ सेक्टर की एनएस निगम का इस्तीफा जरूरी है। अस्पतालों में श्रेट कल्चर खत्म करने की मांग भी अभी नहीं मानी गई है। इसलिए सीएम से एक और मीटिंग की मांग की है।



इंदौर पहुंची राष्ट्रपति, राज्यपाल-सीएम ने किया स्वागत

दो दिवसीय प्रवास पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इंदौर पहुंची। एयरपोर्ट पर राज्यपाल, सीएम मोहन यादव समेत मंत्रीगणों ने उनका स्वागत किया।

राष्ट्रपति ने चंदेरी,महेश्वरी की दो साड़ियां खरीदीं

जनजाति संस्कृति एवं कला को संरक्षित रखने कलाकारों का योगदान महत्वपूर्ण : राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू, आज महाकाल के दर्शन करेंगी



भोपाल/ इंदौर (नम्र)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय दौरे पर इंदौर हैं। राष्ट्रपति एयरपोर्ट से सीधे मृगनयनी एम्पोरियम पहुंचीं, जहां कलाकारों से मुलाकात की। मृगनयनी के आर्टिस्ट ने उनको पेंटिंग गिफ्ट की। इस दौरान मुर्मू ने 33 हजार रुपए की दो साड़ियां भी खरीदीं। इससे पहले एयरपोर्ट पर राज्यपाल मंगभाई पटेल, सीएम डॉ. मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने राष्ट्रपति की आगवानी की। राष्ट्रपति रात्रि विश्राम रेसीडेंसी कोठी में करेंगी। इस दौरान दिल्ली से चलने वाली सारी गतिविधियां और फैसले भी यहीं से होंगे। राष्ट्रपति 19 सितंबर को सुबह उज्जैन में महाकाल दर्शन करेंगी। यहां इंदौर-उज्जैन सिक्स-लेन प्रोजेक्ट का शिलान्यास करेंगी। इंदौर लौटकर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। उसके बाद दिल्ली लौट जाएंगी।

स्थानीय कलाकार ने भेंट की बाग प्रिंट की साड़ी- मृगनयनी एम्पोरियम में राष्ट्रपति ने धार की बाग प्रिंट की साड़ी और ड्रेस मंडेरियल बनाने वाले स्थानीय कलाकार

मुबारिक खत्री से बाग प्रिंट के बारे में जानकारी ली। खत्री ने राष्ट्रपति के लिए विशेष रूप से गुलाबी और रेड-ब्लैक कलर में डिजाइन की गई बाग प्रिंट की साड़ी भेंट की। मृगनयनी के स्टॉफ ने बताया कि राष्ट्रपति को कोसा सिल्क और चंदेरी सिल्क की दो साड़ियां पसंद आईं। उन्होंने ये दोनों ही साड़ियां खरीदीं। इनमें से एक साड़ी 14 और एक साड़ी की कीमत 19 हजार रुपए है। इस तरह राष्ट्रपति ने कुल 33 हजार रुपए की दो साड़ियों की खरीदारी की।

झाबुआ के परमार दंपती ने झाबुआ की प्रसिद्ध गुड़िया और जनजातीय प्रतीक चिह्न राष्ट्रपति को भेंट किया। मृगनयनी केंद्र पहुंची

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यहां मध्य प्रदेश के हस्तशिल्प और जनजाति कलाकारों से भी मिलीं। इस दौरान गोंडी भित्ति चित्रकार दुर्गा व्याम ने उन्हें अपनी बनाई हुई पेंटिंग भेंट की।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने शिल्पकारों से चर्चा के दौरान कहा कि हमारी पुरानी संस्कृति एवं परम्परा को संजो कर संरक्षित रखने की जरूरत है। यहाँ के शिल्पकार इसमें अच्छा योगदान दे रहे हैं। इन्हें प्रोत्साहन देने की जरूरत है, जिससे इन्हें रोजगार के अवसर मिल सकें। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने शिल्पकारों के आग्रह पर उनके साथ तस्वीर भी खिंचवाई।

अकादमी बनाकर मलखंब और जिम्नास्टिक को किया जाएगा प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्पोर्ट्स एडवेंचर के लिए साहसिक खेलों को करें शामिल



हेलीपैड भी हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में बुधवार को खेल एवं युवक कल्याण की विभागीय गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव श्रीमती स्मिता भादराज घाटे, प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी एवं संचालक श्री रवि कुमार गुप्ता भी उपस्थित थे।

काठियावाड़ी घोड़े ज्यादा श्रेष्ठ- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि घुड़सवारी को खेल के लिए काठियावाड़ी घोड़ों का प्रदर्शन बहुत अच्छे स्तर का होता है। हम काठियावाड़ी घोड़ों को खेलों में शामिल करते हैं तो और भी बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री सारंग ने कहा कि घुड़सवारी एवं शूटिंग में मध्यप्रदेश की परफार्मेंस अच्छी है।

संक्षिप्तसमाचार

मायावती ने बड़ाई बीजेपी-कांग्रेस की टेंशन

- 35 सीटों पर खेल बिगाड़ सकते हैं दलित वोटर
- इनेलो से गठबंधन कर जाटों को लुभाया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में बसपा सुप्रीमो मायावती बीजेपी और कांग्रेस दोनों की टेंशन बढ़ा सकती हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह बीएसपी का परंपरागत वोट बैंक है, जो चुनाव में खेल बना भी सकता है और बिगाड़ भी सकता है। मायावती हरियाणा पर इसलिए भी फोकस कर रही हैं, क्योंकि यहां 21 फीसदी दलित वोट बैंक है। यही वो वोट बैंक है, जो



मायावती को हरियाणा में मजबूत दावेदार बनाता है। प्रदेश में दलित आबादी वंचित अनुसूचित जाति और अन्य अनुसूचित जाति के रूप में वर्गीकृत हैं। हालांकि बीएसपी को छोड़कर सभी राजनीतिक दल इन पर अपना हक जताते हैं, लेकिन पिछले 4 चुनावों के आंकड़ों पर नजर डालें तो राज्य में बीएसपी का वोट बैंक जरूर बढ़ा या घटा है। इसके अलावा विधानसभा की 17 सीटें आरक्षित हैं और राज्य की 35 सीटों पर दलित वोटरों का प्रभाव है। बीएसपी सुप्रीमो का टारगेट 17 और 35 सीटों पर है, जहां दलित वोटरों का प्रभाव है, ताकि हरियाणा में बीएसपी गेम चेंजर की भूमिका में रहे। हरियाणा की आबादी में दलितों की हिस्सेदारी 20.2 फीसदी है।

खराब काम करने वालों को करेंगे सिस्टम से बाहर

- नितिन गडकरी ने अफसरों को लगाई फटकार, बोले- रोड तो बहुत बना लिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं, लेकिन इस बार वो इस वजह से चर्चा में हैं कि उन्होंने मंच से ही अफसरों को फटकार लगा दी। नितिन गडकरी ने ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के रखरखाव पर नाराजगी जाहिर करते हुए



मंच से अफसरों को फटकार लगाई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने रोड तो बहुत बना लिए। अब खराब काम करने वालों को सिस्टम से बाहर करना है। गडकरी ने मंगलवार को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस के दुहाई इंटरचेंज पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि अच्छा काम करने वालों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पेरिफेरल रोड पर मैं बहुत दिनों के बाद आया हूं। हमारे रोड का काम बहुत अच्छा हुआ है, अब मेरी इच्छा है कि मेरे हाथ से बहुत लोग रिटायर हों, काम न कर पाएं। कुछ कॉन्ट्रैक्टर ब्लैकलिस्टेड हों, कुछ की बैंक गारंटी जब्त हो।

महीनों पहले रची साजिश, नए पेजर्स में था विस्फोटक

- लेबनान में इजरायल ने यूं मचाई तबाही, जिशाने पर हिजबुल्लाह सदस्य
- हर पेजर में 3 ग्राम विस्फोटक, सदस्यों को बाटे जाने का किया इंतजार

बेरूत (एजेंसी)। बेरूत (एजेंसी)। लेबनान में हुए ार धमाकों के बारे में बड़ा खुलासा सामने आया है। णेबनान के एक वरिष्ठ सुरक्षा सूत्र के हवाले से रॉयटर्स ने ावा किया है कि इजरायली एजेंसी मोसाद ने इन पेजर्स में त्रस्फोटक लगाया था। रिपोर्ट कहती है कि मंगलवार को जन पेजर में विस्फोट हुए उनको महीनों पहले हिजबुल्लाह ा ऑर्डर किया। ये 5,000 पेजर ताइवान में बने थे और ाभी पेजर के अंदर थोड़ा-थोड़ा विस्फोटक था। एक पेजर ा करीब तीन ग्राम विस्फोटक रखा गया था। कई सूत्रों ने िटर्स को बताया है कि यह साजिश कई महीनों से चल हो थी। लेबनान के वरिष्ठ सुरक्षा सूत्र ने कहा कि इजबुल्लाह ने ताइवान स्थित गोल्ड अपोलो को 5,000



बीपर का ऑर्डर दिया था। कुछ महीने पहले उनको ये ऑर्डर मिल गया था। अब जबकि देशभर में ये पेजर पहुंचे तो इनमें विस्फोट किया गया। सूत्र ने कहा,मोसाद ने डिवाइस के अंदर एक बोर्ड लगाया,

जिसमें विस्फोटक सामग्री थी और ये एक कोड प्राप्त करता है। इसका पता लगाना बहुत मुश्किल है। किसी भी डिवाइस या स्कैनर से इसे पकड़ नहीं जा सकता है। जब उन्हें कॉडिड मैसेज भेजा गया तो विस्फोटक एक्टिव हुए और 3,000 पेजर फट गए। एक अन्य सुरक्षा सूत्र ने रॉयटर्स को बताया कि नए पेजर में तीन ग्राम तक विस्फोटक था और महीनों तक रखे रहने के बावजूद हिजबुल्लाह इसका पता नहीं लगा सका। विस्फोट के बाद सामने आई पेजर की तस्वीरों में ताइवान की गोल्ड अपोलो कंपनी के मार्क मिले हैं। इसी साल फरवरी में हिजबुल्लाह ने एक युद्ध योजना तैयार की और मोबाइल की जगह पेजर के इस्तेमाल का फैसला लिया।

लैंड फॉर जॉब केस में लालू तेजस्वी के बाद तेजप्रताप फंसे

7 अक्टूबर को सभी को कोर्ट में पेश होगा,रेलवे कर्मचारी की मां को भी बुलाया

पटना (एजेंसी)। राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमीन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों को समन जारी किया है। पहली बार कोर्ट ने इस मामले में लालू के बड़े बेटे तेजप्रताप, अखिलेश्वर सिंह और उनकी पत्नी किरण देवी को भी समन भेजा है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि तेजप्रताप यादव की सलिमता से इनकार नहीं किया जा सकता। वह



अगस्त को 11 आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। इनमें से 4 की मौत हो चुकी है। इसमें लल्लन चौधरी, हजारी राय, धर्मेन्द्र कुमार, अखिलेश्वर सिंह, रविंदर कुमार, रघु. लाल बाबू राय, सोनमतिয়া देवी, रघु. किशुन देव राय और संजय राय शामिल हैं। लल्लन चौधरी की पत्नी ने पति की मृत्यु से जुड़ी पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी कोर्ट में प्रस्तुत की है।

बेटियों को स्वास्थ्य सुविधाएं कम सुलभ : अगनानी

जबलपुर। बाल मृत्यु दर के मामले में अस्पताल में होने वाली ज्यादातर मौतें बालकों की होती हैं जबकि घरों में होने वाली मौतों में लड़कियों की संख्या अधिक होती है जिससे समझा जा सकता है कि आज भी ज्यादातर बेटियों स्वास्थ्य सुविधाएं कम सुलभ हैं। यह हमारी सामाजिक संरचना का मामला है जो हमारी सामाजिक जागरूकता बढ़ा कर कम किया जा सकता है। इसलिए हेल्थ केयर से जुड़े तमाम पहलुओं में हमें सामाजिक संरचना और सामाजिक व्यवहार को ध्यान में रखना चाहिए।

यह बात अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल में पब्लिक हेल्थ विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक और भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त मनोहर अगनानी ने कही। वे अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल और विजयाश्री आयुर्वेद कॉलेज, जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में विजयाश्री आयुर्वेद कॉलेज एंड हॉस्पिटल परिसर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। इस सेमिनार में मनोहर अगनानी ने 'स्वास्थ्य सुविधाओं में व्याप्त लैंगिक असमानता की चुनौतियाँ और उनके समाधान' पर व्याख्यान दिया।

यह व्याख्यान, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा शुरू की गयी व्याख्यानमाला का पहली कड़ी थी। आगामी महीनों में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल ऐसे अन्य विषयों और सुबुर्ग पर मध्य प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालयों पर व्याख्यान आयोजित करेगा।

विजयाश्री आयुर्वेद कॉलेज के सेमिनार हाल में सम्पन्न हुए इस व्याख्यान में आयुर्वेद, नर्सिंग और एडुकेशन के छात्र-छात्राओं ने भागीदारी की। मनोहर अगनानी ने उन्हें भविष्य के

सेना से आने वाले हर अग्निवीर को मिलेगी नौकरी :अमित शाह

फरीदाबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा की चुनावी रैली में कहा कि सेना से आने वाले हर

अग्निवीर को नौकरी मिलेगी। देश में इनके लिए 20 फीसदी आरक्षण कर दिया है और जो बचेंगे उन सभी को हरियाणा में नौकरी दी जाएगी। अमित शाह मंगलवार शाम फरीदाबाद के सेक्टर-12 में आयोजित भाजपा की चुनाव रैली में बोल रहे थे।

इस मौके पर जिला फरीदाबाद

हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स के तौर पर स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवाओं को सामाजिक-आर्थिक, राजनैतिक और तकनीकी के तौर पर समझने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य के सामाजिक पहलुओं को नज़रअंदाज़ करके इसकी मूल समस्याओं को नहीं समझा जा सकता। स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच के मामले में अक्सर महिलाएँ पीछे रह जा रही हैं तो इसकी वजह केवल स्वास्थ्य सेवाओं की कमी नहीं है बल्कि हमारा सामाजिक ढांचा भी कुछ ऐसा है जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दी जाती।

अगनानी ने देश में तेज़ गति से स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहे नीतिगत सुधारों की सकारात्मक समीक्षा करते हुए आंकड़ों से यह बताया कि बावजूद इसके कि कितने ही तरह की स्वास्थ्य सेवाएँ सभी के लिए मुफ्त हो रही हैं लेकिन समाज की सक्रिय सहभागिता भी इनके साथ जुड़ जाये तो ये योजनाएँ अपने उद्देश्यों को प्राप्त पाएँगी। इसमें हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स की सबसे बड़ी भूमिका होगी।

छात्र-छात्राओं के साथ हुए सवाल-जबाब के दौरान श्री अगनानी ने समाज में व्याप्त तमाम मिथ और भ्रम को वैज्ञानिक नज़रिये से देखने और समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस व्याख्यान में करीब 150 छात्र-छात्राओं के अलावा कॉलेज के प्राध्यापकों ने भी शिरकत की।

धन्यवाद ज्ञापन विजया श्री आयुर्वेद कॉलेज के संस्थापक श्री राजेश स्थापक ने किया। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के बारे में समग्रता से एक परिचय सत्र संचालन के दौरान अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सत्यम श्रीवास्तव ने किया।

महिलाओं को हर महीने 2 हजार, 500 रुपए में सिलेंडर

- हरियाणा चुनाव के लिए कांग्रेस ने जारी किया गारंटी पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपना घोषणापत्र (गारंटी पत्र) जारी कर दिया है। जिसमें कई गारंटियों की घोषणा की गई है। इन घोषणाओं में महिला, युवा, किसान और बुजुर्गों के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा कांग्रेस की महत्वपूर्ण गारंटियों की घोषणा पहले ही कर चुके हैं।

जिसमें 500 रुपए में सिलेंडर, 2 लाख युवाओं को नौकरी प्रदान करना, बुजुर्गों को बुढ़ापा पेंशन 6 हजार रुपए देना शामिल है। हरियाणा चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को पार्टी की सात गारंटियां गिनाईं। कांग्रेस का कहना था कि राज्य में अगर हमारी सरकार बनती है तो गरीबों को दो कमरे का मकान दिया जाएगा और हर महीने महिलाओं को 2 हजार रुपए दिए जाएंगे।



पंजाब सीएम मान की चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर तबीयत बिगड़ी

सिक्वोरिटी स्टाफ ने संभाला, गाड़ी में बैठाया, दिल्ली ले जाया गया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के सीएम भगवंत मान की मंगलवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई।

इसके बाद उन्हें इलाज के लिए दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वह चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर विमान से उतरे थे, तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उतरते ही भगवंत ने अपना संतुलन खोया था। इसके बाद

मौके पर मौजूद सिक्वोरिटी स्टाफ ने उन्हें संभाला और कुछ देर के लिए वहां मौजूद कुर्सी पर बैठाया। इसके बाद उन्हें पहले सीएम आवास चंडीगढ़ में लाया गया। वहां उन्हें ड्रिप लगाई गई। इसके साथ सीएम मान को दिल्ली के अपोलो अस्पताल ले जाया गया गया। डॉक्टर फिलहाल उनके हेल्थ अपडेट के बारे में कुछ भी जानकारी देने से मना कर रहे हैं।



की सभी छह विधानसभा सीटों पर खड़े भाजपा के उम्मीवारों सहित केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल भी मौजूद थे। गृहमंत्री ने कहा कि हरियाणा को जवान, किसान, खिलाड़ियों के लिए जाना जाता है। सेना में हरियाणा के जवान ज्यादा हैं। हरियाणा देश का गौरव है। देश की जनता का पेट हरियाणा

का किसान भरता है और मेडल लेकर हरियाणा का खिलाड़ी दुनिया में नाम रोशन कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाए कि कांग्रेस झूठ फैला रही है। शाह ने कहा कि वह भूपेंद्र सिंह हुड्डा से पूछना चाहते हैं कि सैनिकों की धरती हरियाणा में कांग्रेस ने वन रैंक वन पेंशन क्यों नहीं दी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने वन रैंक वन पेंशन को लागू किया।

इंदौर में राष्ट्रपति को परोसा जाएगा बिना प्याज-लहसुन का खाना

सैंडविच-रोटी सिर्फ मल्टी ग्रेन आटे की; श्री लेयर में रहेगी सिक्योरिटी

इंदौर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 18 और 19 सितंबर को इंदौर में रहेंगी। वे रेसीडेंसी कोठी में रात्रि विश्राम करेंगी। इस दौरान दिल्ली से चलने वाली सारी गतिविधियां और फैसले भी कोठी से होंगे। वे पहले दिन इंदौर में स्थानीय कलाकारों से मिलेंगी। 19 सितंबर की सुबह उज्जैन में महाकाल दर्शन करेंगी। यहां इंदौर-उज्जैन सिक्सलेन प्रोजेक्ट का शिलान्यास करेंगी। इंदौर लौटकर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। उसके बाद दिल्ली लौट जाएंगी। रेसीडेंसी कोठी समेत अन्य इलाकों में राष्ट्रपति की सिक्क्योरिटी के लिए श्री लेयर सिस्टम बनाया है, जैसा राष्ट्रपति भवन में होता है। कोठी के गार्डन और कैम्पस में आम लोगों की एंट्री बंद कर दी गई है। तीन किलोमीटर के एरिया को ड्रोन के लिए रेड जोन घोषित किया है। 30 से 35 लोगों का कू राष्ट्रपति के साथ आएगा।

गाय का दूध ही इस्तेमाल किया जाएगा

राष्ट्रपति 18 सितंबर का डिनर, 19 सितंबर को ब्रेकफास्ट के बाद लंच महाकाल दर्शन से लौटकर इंदौर में ही करेंगी। राष्ट्रपति का पूरा भोजन बिना प्याज और लहसुन का होगा। दूध भी गाय का ही होगा। खाने में मसूर को छोड़कर सभी तरह की दालें होंगी। डिनर में टिंडा, अरबी, आलू-गोभी, पालक-पनीर और राजमा नहीं होंगे। राष्ट्रपति शुद्ध शाकाहारी भोजन लेती हैं, इसलिए अधिकारियों को निर्देश है कि जिन बर्तनों में महामहिम के लिए भोजन बनेगा, उसमें पहले नॉनवेज न बना हो। रोटी के साथ ही सैंडविच भी मल्टी ग्रेन आटे के ही होंगे।

तेल के इस्तेमाल पर भी स्पष्ट निर्देश

खाने के लिए खासतौर पर कहा गया है कि मस्टर्ड ऑयल, रिफाईंड या ऑलिव ऑइल में ही खाना पकाया जाए। हल्दी वाले गाय के दूध के साथ ब्रेकफास्ट में फ्रूट्स और स्माउट्स दिए जाएंगे। फल खट्टे न हों। विशेष निर्देश है कि राष्ट्रीय गीत रिकॉर्डेड नहीं बजाया जाए। मिलिट्री, पुलिस, पेरा मिलिट्री, बैंड से ही गवाया जाए। ये उपलब्ध नहीं हों तो चार लोगों के विशेष दल से सही माइक सिस्टम के साथ गवाना होगा। कार्यक्रम में फूड पैकेट नहीं बांटे जा सकेंगे। मप्र सरकार का इंदौर में मृगनयनी शोरूम। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए यहां आम लोगों की एंट्री बंद कर दी गई है। वे यहां स्थानीय कलाकारों से मुलाकात करेंगी।

पहले दिन के दौरे के लिए मृगनयनी एम्पोरियम सजा

राष्ट्रपति पहले दिन मृगनयनी एम्पोरियम पहुंची। इसके लिए शोरूम को सजा दिया गया था। वे यहां प्रदेश के विभिन्न नेशनल अवॉर्ड एवं पद्मश्री सम्मानित शिल्पकारों /आर्टिजन्स से सीजनल थेंट करेंगी। प्रदेश की पारंपरिक, कलात्मक माहेश्वरी, चंदेरी, कोसा आदि साड़ियों को देखेंगी। एम्पोरियम प्रभाी प्रबंधक राहुल जगताप ने बताया कि आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

जिम से निकलते ही ड्रायवर को गोली मारी

पत्नी से चल रहा है विवाद,फुटेज के साथ

बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के अन्नपूर्णा इलाके में एक ड्रायवर को गोली मार दी गई। पारिवारिक विवाद में हमले की आशंका की जानकारी सामने आई है। घायल ड्रायवर को निजी अस्पताल ले जाया गया है। अन्नपूर्णा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना सुदामा नगर डी सेक्टर की है। यहां अविनाश उर्फ पिंटू सेन नाम के ड्रायवर को किसी ने गोली मार दी। बताया जाता है कि गोली उसके शरीर को नजदीक से छूकर निकली है। पुलिस सूचना के बाद मौके पर पहुंची है। पिंटू का पारिवारिक विवाद बताया गया है। इसके चलते उस पर हमले की बात सामने आ रही है। वह एअरपोर्ट से निजी टेक्सी चलाने का काम करता है।

जिम से निकलने के दौरान हमला- पुलिस की जानकारी में सामने आया है कि पिंटू सुबह जिम गया। यहां से कसरत करने के बाद वह बाहर निकला। तब उस पर हमला किया गया। पुलिस आसपास के फुटेज खंगाल रही है। जिसमें कुछ सदिग्ध के नाम सामने आए हैं। जांच की जा रही है।

इंदौर पहुंच गए पाकिस्तान मूल के दो लोग

दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरना था, अब गुरुवार को

वापस शारजाह भेजा जाएगा



इंदौर (एजेंसी)। भारत आए पाकिस्तान मूल के दो यात्रियों को दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरना था, लेकिन वो इंदौर पहुंच गए। वीजा नियमों के चलते उन्हें इंदौर एयरपोर्ट पर ही रोक लिया गया है। इंदौर एयरपोर्ट डायरेक्टर वीपी सेठ ने बताया कि दोनों को गुरुवार देर रात शारजाह जाने वाली फ्लाइट से वापस भेजा जाएगा। दोनों यात्री एयर इंडिया एक्सप्रेस की यूएई के शारजाह से इंदौर आई मंगलवार रात की फ्लाइट से आए। एयरपोर्ट अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार दोनों यात्रियों के नाम विकी कुमार और पुनम कुमारी है।दोनों को वीजा शर्तों के अनुसार शारजाह से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरना था। इसके बाद वे भारत में कहीं भी जा सकते थे। बताया जा रहा है कि दोनों ही यात्रियों की वापसी भी दिल्ली एयरपोर्ट से होनी थी, जबकि यह दोनों यात्री इंदौर के देवी अहिल्या बाई एयरपोर्ट पर पहुंच गए।एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार यात्रियों को एयरपोर्ट पर ही ठहराया गया है। बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई है।

पहले भी वापस भेजे गए यात्री- शारजाह और दुबई से आने वाले यात्रियों को इंदौर एयरपोर्ट से पहले भी वापस भेजा जा चुका है। पहले वापस भेजे गए यात्री ई-वीजा पर इंदौर आ गए थे, जबकि इंदौर में ई-वीजा मान्य नहीं था।

इंदौर

अनंत चतुर्दशी पर झांकियां देखने रातभर जागा इंदौर

12 घंटे में 6 किमी चलीं झांकियां, 3 हजार से ज्यादा जवान तैनात रहे, ड्रोन से निगरानी

इंदौर विकास प्राधिकरण की झांकी में

हनुमान द्रोणागिरी पर्वत हाथ में लिए थे

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में अनंत चतुर्दशी की झांकियों का 101वां साल पूरा हो गया। मंगलवार की पूरी रात इंदौर ने रतजगा किया। 12 घंटे में झांकियों ने 6 किमी का सफर पूरा किया। झांकी मार्ग पर दो लाख से ज्यादा लोग जुटे थे। इनमें कई लोग दूसरे शहरों से भी आए थे। पूरी रात महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। पूरी झांकी मार्ग पर सुरक्षा के लिए 3 हजार से ज्यादा जवान तैनात रहे। ड्रोन से निगरानी की गई। दरअसल, इसी साल 4 जनवरी को रणजीत हनुमान की प्रभात फेरी में युवक की हत्या के बाद पुलिस अलर्ट थी।

इसलिए अखाड़ों को भी हथियार लाने पर पाबंदी लगाई गई थी। मंगलवार शाम चिकमंगलूर चौराहे से शुरू हुआ झांकियों का कारवा सुबह अपने गंतव्य भंडारी ब्रिज तक पहुंचा। झांकियों का जगह-जगह स्वागत किया गया। लोग घरों की छत और गैलरियों से पुष्प वर्षा करते नजर आए। इंदौर में देर रात झांकियां जेल रोड से आगे बढ़कर छत्रियों की ओर पहुंची। इन्हें निहारने के लिए इंदौर सहित आसपास से 2 लाख से अधिक लोग जुटे थे।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भजन

गाया, युवकों ने किया गरबा

झांकी में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भजन गाए। किन्नरों ने झांकी पर पुष्प वर्षा की। उज्जैन से आई युवकों को टोली ने गरबा किया। अखाड़ों की ओर से छोटे-छोटे बच्चों और युवतियों ने करतब दिखाए। यह सिलसिला पूरी रात चलता रहा। देर रात बारिश होने लगी तब भी लोगों के उत्साह में कमी नहीं दिखी।



बेटियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाने का दिया संदेश

कोलकाता में डॉक्टर के रेप और मर्डर के दर्द को भी झांकियों में दिखाया गया। एक झांकी में लेडी डॉक्टर को गुंडों से मुकाबला करते हुए दिखाया गया। इसमें संदेश दिया गया कि बेटियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाना चाहिए। इस दौरान लोग बेटी डॉक्टर बनी पर बची नहीं के बैनर हाथ में लिए चल रहे थे।

इंदौर हाईकोर्ट का ऑर्डर, हर जिले में गठित हो एसआईटी

हत्या की जांच में गंभीर चूक उजागर, डीजीपी को दिए आदेश



महानिदेशक (डीजीपी) को प्रत्येक जिले में एक गंभीर अपराध जांच पर्यवेक्षण दल (एसआईटी) स्थापित करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा, मध्य प्रदेश, भोपाल के पुलिस महानिदेशक को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाता है कि राज्य के प्रत्येक जिले में गंभीर अपराधों की प्रत्येक जांच की निगरानी दो सदस्यों वाली एक टीम द्वारा की जाए, जिसका नेतृत्व एक वरिष्ठ स्तर का पुलिस अधिकारी करेगा, जो किसी अनुभवी आईपीएस अधिकारी के पद से नीचे का न हो। आदेश में यह भी निर्धारित किया गया है कि जांच अधिकारियों को नियमित रूप से पर्यवेक्षण टीम को रिपोर्ट करना चाहिए, जिसे आगे की जांच विफलताओं के लिए उत्तरदायी ठहराया जाएगा।

रतलाम का मामला

रतलाम के एक गंभीर आपराधिक मामले में आरोपी सुनीत उर्फ सुमित सिंह को हत्या और डकैती से जुड़े अपराध में फंसाया गया था। घटना 18 जून, 2020 को हुई और आवेदक को 2 दिसंबर, 2020 को गिरफ्तार किया गया। तब से वह हिरासत में है। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 302, 34, 450, 397, 398, 114 और 120-बी तथा शस्त्र अधिनियम, 1959 की धारा 25 और 27 के तहत आरोप लगाए गए हैं। आरोपी ने छह बार जमानत आवेदन दायर किए थे। तीन वापस ले लिए गए और दो को स्वास्थ्य कारणों से अस्थायी

रूप से अनुमति दी गई। अधिकांश अभय सारस्वत ने आवेदक को ओर से इस नवीनतम जमानत आवेदन पर बहस की। जबकि लोक अभियोजक वीरेंद्र खदाव ने राज्य का प्रतिनिधित्व किया। कोर्ट ने कहा कि 29 गवाहों में से केवल 11 की ही जांच की गई थी। न्यायालय ने देरी को अस्वीकार्य पाया, खासकर तब जब शेष गवाह अभी तक पेश नहीं हुए थे।

साक्ष्य के एक टुकड़े की सदिग्ध

बरामदगी

घटना के समय आरोपी द्वारा पहनी गई एक पैट जिसे गिरफ्तारी के छह महीने बाद जब्त किया गया था। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि पैट से प्राप्त डीएनए साक्ष्य गढ़े गए थे, क्योंकि आरोपी के लिए उस अवधि के लिए उसी स्थिति में परिधान को बनाए रखना असंभव था।

ये बोले वकील

कोर्ट ने कहा कि 29 गवाहों में से केवल 11 की ही जांच की गई थी। न्यायालय ने देरी को अस्वीकार्य पाया, खासकर तब जब शेष गवाह अभी तक पेश नहीं हुए थे। अदालत ने शर्तों के साथ जमानत आवेदन को मंजूरी दी है। यह स्पष्ट है कि जांच में सरासर खामियां हैं, जो जांच अधिकारी द्वारा अपनाए गए गैर-पेशेवर और संवेदनहीन दृष्टिकोण का परिणाम हैं, और यह कोई कोई अकेली घटना नहीं है। विशेष रूप से अपराध स्थल से संयोगवश फिंगर प्रिंट एक्त्र करने में विफलता को नोट किया।

बैंक के 30 वर्षीय सेल्स मैनेजर को कार्डियक अरेस्ट, मौत

सीने में दर्द उठा तो 6 किलोमीटर बाइक

चलाकर घर लौटे और बेहोश हो गए

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के संयोगितागंज इलाके में रहने वाले निजी बैंक के सेल्स मैनेजर की मौत हो गई। डॉक्टर ने कार्डियक अरेस्ट से मौत की आशंका जाहिर की है। उन्हें ऑफिस में काम करते समय सीने में दर्द उठा था। बैंक से घर गए, कुछ देर बाद मौत हो गई।संयोगितागंज पुलिस के मुताबिक मुराई मोहल्ला के नमन गोपाल धाडों (28) की सदिग्ध परिस्थितियों में मंगलवार को मौत हो गई। बुधवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। उनके दोस्तों ने बताया मंगलवार दोपहर में सी 21 मॉल के पास स्थित बैंक कैम्पस में तबीयत बिगड़ी। सीने में दर्द के साथ घबराहट हुई। वे घर लौटने का कहकर ऑफिस से निकल गए। छह किलोमीटर तक बाइक चलाकर घर पहुंचे। यहां आते ही घबराकर बेहोश हो गए। शाम करीब 4 बजे एमवाय लाया गया। डॉक्टरों ने चेकअप के बाद मृत घोषित कर दिया।

सुबह 9 बजे निकल जाते थे घर से

नमन निजी बैंक में सेल्स मैनेजर थे। रोजाना सुबह 9 बजे घर से निकल जाते थे। ऑफिस सी 21 माल पर है। परिवार के मुताबिक अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसने बात को मामूली तरीके से लिया। देर होने के चलते उसकी जान चली गई। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम के बाद पूरी स्थिति स्पष्ट होगी।

परिवार में 9 माह की बेटी

नमन के परिवार में पत्नी और 9 माह की बेटी है। पिता महिला बाल आश्रम में पदस्थ है। छोटा भाई अमन एअरफोर्स में है। करीब एक साल पहले ही बैंक में जॉब लगी थी।

रेस्टोरेटकर्मों की भी मौत

एम्आईजी में भी रेस्टोरेट कर्मों की सदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। पुलिस ने मामला जांच में लिया है। पुलिस के मुताबिक राहुल पुत्र मुन्नालाल निवासी कृष्णबाग कॉलोनी (28) की बीती रात 2 बजे तबीयत बिगड़ी। पत्नी को सीने में दर्द और घबराहट होने की बात की। इसके बाद उसे उल्टियां हुईं। एमवाय अस्साल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। राहुल के परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। वह मूल रूप से भिंड जिले का रहने वाला था। इंदौर में रेस्टोरेट में काम करता था।

और लात मार दी। चिल्लाने पर उसके साथी आ गए। डंडे से मारते हुए जमीन पर पटक दिया। वहां पर झगड़े की जानकारी लगते ही परिवार के लोग आ गए। आरोपी मौके से भाग गए।

कार की हवा निकालने पर पीटा

मल्हारगंज पुलिस ने एक अन्य मामले में सागर नवीन निवासी पल्हर नगर की शिकायत पर अमन यादव, संदीप यादव, सन्नी यादव, संतोष यादव और सन्नी यादव निवासी कड़ाबीन के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक सागर नवीन ने बताया कि मंगलवार शाम 4 बजे नारनोली धर्मशाला में भंडारे का आयोजन चल रहा था। इसमें कार लगाकर अंदर करवाए गए थे। वहां खड़े सन्नी यादव से पूछा कि कार की हवा किसने निकाली। इस बात पर सन्नी ने उसे जानकारी नहीं होने की बात की। यहां पर संदीप और अमन आ गए। विवाद किया। उनकी आवाज सुनकर और लोग पहुंचे। सभी ने अपशब्द कहे। इसके बाद चाकू खोला और अमन ने डंडे से सिर पर मार दिया।



वही दूसरी तरफ रूद्राक्ष चौहान की शिकायत पर आदित्य उर्फ चंचू यादव, अमन यादव और सन्नी पर केस दर्ज किया गया।

रूद्राक्ष ने बताया कि वह पढ़ाई करता है। रात में 1 बजे झांकी देखकर अपने घर जा रहा था। सुभाष स्कूल के यहां पर चंचू यादव निवासी कड़ाबीन और उसके साथियों ने पुराने विवाद बाइक से हाथ पकड़कर गिरा दिया। इसमें हाथ पैरों में चोट आई। आरोपियों ने कॉलर पकड़कर उठाया।

हाथ मुक्के से मारपीट की। कपड़ों में खून निकलते देखा तो सभी वहां से जान से मारने की धमकी देकर चले गए। वही तीसरी एफआईआर में विशाल यादव की शिकायत पर अमन यादव, आदित्य यादव, चयन शर्मा और यश वर्मा पर केस दर्ज किया गया है। विशाल ने बताया कि वह स्टूडेंट है। देर शाम उसने विजय सांखला के घर सामने अपनी एक्टिवा पार्क की। आदित्य उर्फ चंचू यादव व चयन शर्मा आए। उन्होंने अपशब्द कहे

संपादकीय

‘बुलडोजर न्याय’ पर रोक सही

यूपी सहित देश के कुछ राज्यों में राज्य सरकारों द्वारा बुलडोजर न्याय को वैधता देने के प्रयास पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। इस पर कोर्ट का अंतिम फैसला अभी आना है, लेकिन इस बात की पूरी संभावना है कि सर्वोच्च अदालत तथाकथित न्याय की आड़ में बुलडोजर के मनमाने उपयोग पर रोक लगाएगी। संभव है कि कोर्ट इस बारे में कोई गाइड लाइन भी जारी करे। यकीनन कोर्ट का यह रवैया यूपी के मुख्ा। मंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए झटका है, जिन्हें बुलडोजर बाबा के नाम से ही जाना जाने लगा है। यानी जिसने अपराध किया हो, उसके पहले कि उस पर कोई कानूनी कार्रवाई हो, उस आरोपी का घर ढ़हा कर जनता के बीच त्वरित न्याय का संदेश देने की नई शैली योगी आदित्यनाथ ने ही शुरू की थी। उनकी देखादेखी मप्र, राजस्थान व अन्य कुछ राज्यों ने भी बुलडोजर न्याय की शुरूआत कर दी। जबकि कानूनन यह गलत ही था। बुलडोजर एक्शन के खिलाफ जमीयत उलेमा ए हिंद व अन्य याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 1 अक्टूबर तक इस तरह की तमाम कार्रवाइयों पर रोक लगा दी है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने अपने अंतरिम आदेश में कहा है कि कुछ जगहों में अतिक्रमण पर ये रोक लागू नहीं होगी। जस्टिस बीआर गवंई और जस्टिस केजी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि ये आदेश सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों, रेलवे लाहनों और जलपायों पर हुए अतिक्रमण पर लागू नहीं होगा। जस्टिस बीआर गवंई और जस्टिस केजी विश्वनाथन की पीठ ने पिछली सुनवाई में भी राज्य सरकारों के ‘बुलडोजर एक्शन’ पर सवाल खड़े किए थे। इस मामले में जमीयत उलेमा ए हिंद की तरफ से दायर की गई याचिका में कहा गया था कि राज्य सरकारें बुलडोजर का इस्तेमाल अल्पसंख्यक और हाशिए पर चल रहे लोगों को डराने के लिए कर रही हैं। प्रशासन बिना सुनवाई के और बिना अपील का टाइम दिए मकानों का गिरा रह है। इस तरह की कार्रवाई गैर कानूनी है और न्यायिक व्यवस्था के खिलाफ है। उत्तर प्रदेश सरकार के इस बुलडोजर एक्शन पर विपक्ष और कई विशेषज्ञों ने भी आरोप लगाया था कि इसके जरिए सरकार अल्पसंख्यकों को निशाना बना रही है। इसी मामले पर सुनवाई करते हुए बीते चार सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि कोई व्यक्ति दोषी भी हो तो भी कानून की निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना उसके घर को ध्वस्त नहीं किया जा सकता। कोर्ट का सवाल था कि किसी का घर केवल इस आधार पर कैसे ढहया जा सकता है कि वो किसी मामले में अभियुक्त है? हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि किसी भी इमारत को ढहाने की कार्रवाई इसलिए नहीं की गई है कि वो शख्स किसी मामले में अभियुक्त था। सरकार का कहना अपनी जगह है, लेकिन कई मामलों में वो घर भी बुलडोजर से ढहा दिए गए हैं, जिनके मालिकों का अपराध से कोई सीधा सम्बंध ही नहीं था। किसी किराएदार के अपराध की सजा घर मालिकों को कैसे दी जा सकती है। बहरहाल कोर्ट के ताजा आदेश पर राजनीति शुरू हो गई है। यूपी में अखिलेश यादव और आजाद पार्टी ने कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि बुलडोजर चलाना ही असंवैधानिक है। हालांकि बुलडोजर पर कोर्ट के अंतरिम आदेश को कानून से ज्यादा राजनीति के नजरिए से ज्यादा देखा जा रहा है। क्योंकि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस इसलिए खुश है, क्योंकि बुलडोजर एक्शन का शिकार होने वालों में मुसलमानों की संख्या सबसे ज्यादा है। यद्यपि बुलडोजर हमेशा मुसलमानों के खिलाफ ही चला हो, ऐसा नहीं है। लेकर बुलडोजर को न्याय का प्रतीक मानना गलत है।

नजरिया

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।



अखंड केजरीवाल राजनीति के चतुर खिलाड़ी हैं। उन्होंने राजनीति में कुछ मौलिक प्रतिस्थापनाएं की है, बने-बनाये रास्तों पर न चलकर नये रास्ते इजाद किये हैं। वे संकटों को अवसर में बदलने वाले करिश्माई व्यक्तित्व भी हैं। उनकी राजनीति अनेक विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी रही है, उनके व्यवहार एवं वचनों में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित होते रहे हैं, लेकिन ये ही विरोधाभास उनकी राजनीतिक चमक का कारण भी बने हैं। क्योंकि राजनीति में सब जायज माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय से सशर्त जमानत मिलने से खुद को बंधा महसूस करते हुए उन्होंने इस्तीफे का धारदार दांव चलाकर राजनीतिक जगत में एक हलचल पैदा कर दी। वहीं पार्टी में संभावनाओं भरे अनेक चेहरों के होने के बावजूद उन्होंने आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया, जबकि वह वरिष्ठता क्रम में निचले पायदान पर खड़ी थी, लेकिन केजरीवाल ऐसे चौकाने वाले फैसले पहले भी लेते रहे हैं। लेकिन इस तरह वे जनादेश का मज़ाक भी बनाते रहे हैं तो संवैधानिक स्थितियों की धता भी करते रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल साहस के कदम एवं चतुराई की आंख लेकर परम्परागत राजनीति की जंजीरों को तोड़कर आगे निकलते रहे हैं। संभावनाएं की जा रही थी कि केजरीवाल आम आदमी पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता को मुख्यमंत्री बना सकते हैं। अधिक संभावनाएं उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाये जाने की थी। क्योंकि क्षेत्रीय दलों में किसी राजनीतिक या कानूनी संकट के चलते परिवार के ही किसी सदस्य को सत्ता की बागडोर सौंप देने परंपरा रही है। ताकि स्थितियां सामान्य हों पर फिर मुख्यमंत्री की गद्दी आसानी से वापस ली जा सके। इसके अनेक उदाहरण हैं, जिनमें बिहार में चारा घोटाले में गिरने के बाद लालू यादव ने पत्नी राबड़ी देवी को सत्ता की बागडोर सौंपी थी। बहरहाल, केजरीवाल ने जेल से बाहर आते ही अपने तरकश से जो तीर चले हैं, उनकी धार एवं तीक्ष्णता को महसूस किया जा सकता है। इन तीरों से हरियाणा व जम्मू कश्मीर चुनाव समेत अन्य राष्ट्रीय मुद्दों में उलझी भाजपा व कांग्रेस पर केजरीवाल ने मनोवैज्ञानिक राजनीतिक देवाव तो बना ही दिया है। हरियाणा में स्वतंत्र चुनाव लड़ने का निर्णय लेकर उन्होंने सत्ता के गठन में स्वयं को एक ताकतवर मोहरे के रूप में प्रस्तुत करने का चतुराई भरा खेल भी खेला

दबाव का केजरीवाली आतिशी दांव

है। दिल्ली में भी उन्होंने अपनी निस्तेज होती स्थितियों को मजबूती दी है।

दरअसल, केजरीवाल भ्रष्टाचार के विरोध में आन्दोलन के योद्धा के रूप में वर्ष 2014 के इस्तीफे के दांव की तरह 2015 में आम आदमी पार्टी को मिली भारी जीत का अध्याय दोहरा देना चाहते हैं। लेकिन इस बार की स्थितियां खुद भ्रष्टाचार में लिस होने से खासी चुनौतीपूर्ण व जोखिमभरी हैं। निस्संदेह, यह दांव मुश्किल भी पैदा कर सकता है क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी। भले ही केजरीवाल अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हों, लेकिन वे अपने देश को, अपने पैरों की जमीन को एवं राजनीतिक मूल्यों को नहीं पहचान रहे हैं। ‘आप’ की राजनीति नियति भी विसंगति का खेल खेलती रहती है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी वाले वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या



सबक? आप के शीर्ष नेताओं के लिये पहले श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। कैसे आप की राजनीति इस शर्म के साथ जनता से मुखातिब होगी और जनता क्या जबाव देगी, यह भविष्य के गर्भ में है।

जिन अप्रत्याशित हालात में एवं बहुत कम समय के लिये आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया गया है, वे बेहद चुनौतीपूर्ण हैं। विधानसभा चुनावों से ठीक पहले राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के कई उदाहरण हाल के वर्षों में दिखे हैं, लेकिन यह मामला उन सबसे अलग है। पिछले करीब दो साल न केवल आम आदमी पार्टी के लिए बल्कि दिल्ली सरकार के लिए भी

इस मायने में चुनौतीपूर्ण रहे कि एक-एक कर उसके कई बड़े नेता और मंत्री जेल भेज दिए गए। दिल्ली का विकास मुफ्त की संस्कृति की भेंट चढ़कर विकास को अवरुद्ध किये हुए हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल के जेल जाने के बाद संकट और गहराया। इन संकटपूर्ण हालातों में आतिशी ने पार्टी का प्रभावशाली ढंग से बचाव किया। उन्होंने सौरभ भारद्वाज और अन्य साथियों के साथ मिलकर सड़क से लेकर मीडिया तक आम आदमी पार्टी की जंग लड़ी, उससे कार्यकर्ताओं में उनकी एक जुझारू छवि बनी है। ऐसे में, उनसे उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। क्या अतिशी अपने राजनीतिक कौशल से यह पद पाया है या वे केजरीवाल की राजनीति का एक मोहरा-भर बनी है? उनके हिस्से में यह पद तब आया जब पार्टी के दो सबसे बड़े नेताओं-अरविंद केजरीवाल और मनीष सिंसोदिया-ने कह दिया कि वे नए सिरे से जनादेश हासिल करने के बाद ही पद पर बैठेंगे। अगर पार्टी



जनादेश हासिल नहीं कर पाती तब तो उन्हें पद छोड़ना ही पड़ेगा, अगर पार्टी चुनाव जीतती है तब भी मुख्यमंत्री पद से उनका हटना लगभग तय है। इन स्थितियों में कांटेंभरा ताज पहनकर उनके कामकाज एवं प्रभावी नेतृत्व का क्या औचित्य है?

अतिशी एक वफादार एवं जिम्मेदार नेता के रूप में अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रही है। पार्टी के लिये उनके समर्पण एवं अदृढ़ निष्ठा की मुद्रा विधापक दल की नेता चुने जाने के वक्त भी सामने आयी, जब आतिशी ने सार्वजनिक रूप से यह कहा कि वह रिफं अगले चुनाव तक पदभार संभाल रही हैं, पार्टी के भीतर किसी नए केंद्र की आशंका को तिरोहित करना

तो है ही, कहीं न कहीं यह वरिष्ठ नेताओं की आहत महत्वाकांक्षाओं पर मरहम रखना भी है। आतिशी का यह पहला कार्यकाल है, और किसी गैर-राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि की महिला का पांच साल के भीतर यूं मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने का यह विरल उदाहरण भी है। अतिशी दिल्ली जैसे सुवे की मुखिया बनी है, जिस दिल्ली ने सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित जैसी दिग्गज महिला नेताओं का शासन देखा है। कुल मिलाकर, दिल्ली में शुरू हुए आप के इस नए प्रयोग और उसके नतीजों पर सबकी नजरें होंगी। अरविंद केजरीवाल ने महाराष्ट्र और झारखंड के साथ ही दिल्ली विधानसभा का भी चुनाव कराने की मांग की है, उनकी यह मांग अस्वीकृत हो गयी है, फिर भी आगले साल फरवरी के पहले पखवाड़े तक दिल्ली में चुनाव कराने होंगे। केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सोची-समझी रणनीति के तहत ही दिया है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव को अपनी ईमानदारी के जनमत संग्रह के रूप में दर्शा सकें। उनका मकसद भाजपा सरकार द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के आरोपों का मुकाबला करने तथा खुद को राजनीतिक प्रतिशोध के शिकार के रूप में दिखा जनता की सहनुभूति अर्जित करना भी है। लेकिन इस तरह की राजनीतिक चतुराई में अगर कोई आधार नहीं होता, कोई तथ्य नहीं होता, कोई सच्चाई नहीं होती तो दूसरों के लिए खोदे गए खड्डों में स्वयं एक दिन गिर जाने की स्थिति बन जाती है। कुछ लोग इस प्रकार से प्राप्त जीत की खुशी मनाते हैं, कुछ इस प्रकार की हार की खुशी मनाते हैं, जो कभी जीत से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि गलत तरीकों से प्राप्त जीत से सिद्धांतों पर अडिग रहकर हारना सम्मानजनक होता है। निस्संदेह, जनता से ईमानदारी का प्रमाण पत्र हासिल करने की योजना उनकी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा जान पड़ती है।

केजरीवाली को अतिशी रूपी दांव से ज्यादा लाभ शराब घोटाले में नाम आने व गिरफ्तारी के बाद तुरंत इस्तीफा दे देते तो मिलता। ऐसे में, आतिशी के पास अपनी शासकीय छाप छोड़ने के साथ आप की राजनीतिक विरासत को अक्षुण्ण रखने की बड़ी जिम्मेदारी है। दिल्ली में निश्चित रूप से उसकी लड़ाई भाजपा के साथ ही कांग्रेस से भी अपनी जमीन बचाने की होगी। दिल्ली के नागरिकों की अपेक्षाओ पर खरा उतरने के साथ-साथ पार्टी की चुनावी नैया पार लगाने की चुनौती तो है ही। जाहिर है, आम आदमी पार्टी उनसे यही अपेक्षा करेगी कि आगामी विधानसभा चुनाव में जीत का आलेख लिखे।

जीवन में विसर्जन का सही अर्थ जानें

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्वतंत्रकार हैं।



यही सकारात्मक सोच। हमें हमारे भविष्य के लिए भी प्रेरित करती है कि अगर कुछ बुरा समय है। तो वो भी चला जाएगा। और अच्छा समय जरूर वापस आएगा।

विसर्जन के साथ साथ हमारी आस्था को एक नया स्वरूप मिलता है। आस्था का अर्थ मात्र धार्मिक होना नहीं है। बल्कि आस्था का अर्थ है अपने भीतर एक विश्वास को जगाना। आप में कि जो आज हैं। वो कल नहीं होगा। तो क्यों नहीं फिर आज के इस हर पल को हम भरपूर जीए। यदि भगवान को निवेदन कर जब हम बुलाते है उनको नहीं रोक पाते तो क्या? हम अपने प्रारब्ध को रोक सकते हैं? तो क्यों फिर पर्व अपने भीतर कुछ भावनाएँ समाए हुए रहता है। मानव जीवन में विसर्जन का भी एक विशेष महत्व है। विसर्जन का अर्थ समाय करण तो बिस्त्वल भी नहीं। बल्कि इसका अर्थ है कि हम पुराने सब दुखों को मिटाकर एक नए जीवन की शुरुआत करें। बप्पा आए हैं तो हमारे हर कष्ट को दूर करके अपने साथ ले गए और पीछे सुनहरी यादें एक उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दे गए है।गणेश चतुर्थी के 10 दिन हमें अनुशासन भी सिखाते हैं।आज कल जैसे इन 10 दिनों में बच्चों के लिए भी विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन होता है। हमें पता ही नहीं चलता कि कब इन कार्यक्रम के माध्यम से ही हम अपनी आगामी पीढ़ी को अपने संस्कार भेंट के रूप में दे रहे है। ये 10 दिन गणपतिजी के साथ बिताए उस हर पल के लिए बच्चो को याद रहेंगे। यही उनके भीतर अपने धर्म, अपनी संस्कृति को सहेजकर रखने के लिए भावनाएँ जागाएँ। इन 10 दिनों की बात करें तो हमें जानते हैं कि बप्पा। 1 दिन अवश्य जाएँगे। लेकिन इससे भी अधिक हमें ये विश्वास रहता है। कि वे फिर आयेंगे।

कराते है। बैर को दूर भगाकर एकता सीखाते है। जाते हुए भी गणपति जी हमारे भीतर एकता की लौ जलाकर जाते है। अब यह हम पर है कि हम अपने भीतर की किस भावना को अपना प्रतिनिधि चुनते है।

आजकल ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है कि हम अपने ही त्योहारों को सहजता से मनाए। कभी ना कभी हमारे भीतर की कुंठा हमें ही नकारात्मक करने पर विवश कर देती है। यही वह समय है जब हमें हमारे भीतर छिपी सकारात्मक ऊर्जा का प्रयोग करते हुए एकता का परिचय देना चाहिए। धार्मिक आयोजनों में प्रारब्ध को रोक सकते हैं? तो क्यों फिर कल की चिंता करें? क्यों नहीं कर्म को वहीं नहीं फिर आज के साथ उनको खेराशोष देने के वायदे के साथ उनको विरासत किया। हम ये मानते है कि हर पर्व अपने भीतर कुछ भावनाएँ समाए हुए रहता है। मानव जीवन में विसर्जन का अर्थ समाय करण तो बिस्त्वल भी नहीं। बल्कि इसका अर्थ है कि हम पुराने सब दुखों को मिटाकर एक नए जीवन की शुरुआत करें। बप्पा आए हैं तो हमारे हर कष्ट को दूर करके अपने साथ ले गए और पीछे सुनहरी यादें एक उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दे गए है।गणेश चतुर्थी के 10 दिन हमें अनुशासन भी सिखाते हैं।आज कल जैसे इन 10 दिनों में बच्चों के लिए भी विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन होता है। हमें पता ही नहीं चलता कि कब इन कार्यक्रम के माध्यम से ही हम अपनी आगामी पीढ़ी को अपने संस्कार भेंट के रूप में दे रहे है। ये 10 दिन गणपतिजी के साथ बिताए उस हर पल के लिए बच्चो को याद रहेंगे। यही उनके भीतर अपने धर्म, अपनी संस्कृति को सहेजकर रखने के लिए भावनाएँ जागाएँ। इन 10 दिनों की बात करें तो हमें जानते हैं कि बप्पा। 1 दिन अवश्य जाएँगे। लेकिन इससे भी अधिक हमें ये विश्वास रहता है। कि वे फिर आयेंगे।

आइए,उस परम शक्ति का धन्यवाद करते हुए अपने भीतर के अहम को तिलांजली देकर त्योहारों के सही अर्थ को अपनाए और अपनी कुंठाओं का विसर्जन करके एक सच्चे मनुष्य होने के और एक कदम बढ़ाएं।

चुनावों में डिजिटल अभियान, झूठे-सच्चे वादों का ऐलान

की राय को आकार देने एवं तत्काल प्रतिक्रिया के आधार पर अभियान रणनीतियों को समायोजित करने की अनुमति मिलती है। प्रधानमंत्री को सक्रिय ट्विटर उपस्थिति ने उन्हें अपने पूरे राजनीतिक जीवन में मतदाताओं के साथ सीधा एवं निरंतर संवाद बनाए रखने की अनुमति दी है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, विशेष रूप से सोशल मीडिया, युवा मतदाताओं के साथ प्रतिस्पर्धित होते हैं, जो राजनीतिक कंटेंट का ऑनलाइन उपभोग करने की अधिक संभावना रखते हैं, जिससे महत्वपूर्ण मतदाता आधार के साथ प्रभावी जुड़ाव सुनिश्चित होता है। वर्ष 2024 के चुनावों में राजनीतिक दलों की इंस्टाग्राम रणनीति विशेष रूप से युवा मतदाताओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए डिजाइन की गई थी।

डिजिटल अभियान, जब जिम्मेदारी से उपयोग किए जाते हैं, तो मतदाताओं को सीधे नीतियों के बारे में सूचित करके, उन्हें सूचित विकल्प चुनने में मदद करके एवं समग्र चुनावी भागीदारी को बढ़ाकर अधिक पारदर्शिता प्रदान कर सकते हैं। वर्ष 2020 के अमेरिकी चुनाव के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति के डिजिटल टाउन हॉल ने महामारी प्रतिक्रिया के बावजूद मतदाताओं को उनके साथ सीधे बातचीत करने की अनुमति दी। आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म अक्सर बड़े बजट वाले दलों के विज्ञापनों को अधिक दृश्यता देकर उनका पक्ष लेते हैं, अभियान को अभीर राजनीतिक संस्थाओं के पक्ष में झुकते हैं, जिससे चुनावी निष्पक्षता कम हो जाती है। गूगल के विज्ञापन वैश्विक चुनावों के दौरान उच्च-बजट वाली पार्टियों के पक्ष में पाए गए, जिससे उन्हें मतदाता पहुँच में लाभ मिला। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विभाजनकारी कंटेंट को बढ़ा सकते हैं, जिससे राजनीतिक विचारों का ध्रुवीकरण हो सकता है एवं अधिक खंडित तथा शत्रुतापूर्ण चुनावी माहौल को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे रचनात्मक बहस कम हो सकती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विभाजनकारी कंटेंट को बढ़ा सकते हैं, जिससे राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ सकता है एवं अधिक खंडित, शत्रुतापूर्ण चुनावी माहौल बन सकता है, जो रचनात्मक बहस को कम कर देता है। 2019 में फेसबुक विज्ञापनों पर राष्ट्रीय पार्टियों का भारी खर्च छोटे क्षेत्रीय दलों के बजट से कई अधिक हो गया। डार्क विज्ञापनों एवं अत्यधिक लक्षित राजनीतिक संदेशों के उपयोग से निगमकों तथा जनता के लिए यह ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है कि विशिष्ट मतदाता समूहों को कौन सी जानकारी प्रसारित की जा रही है, जिससे पारदर्शिता कम हो जाती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म अक्सर पर्याप्त तथ्य-जाँच उपायों को लागू करने में विफल रहते हैं, जिससे झूठे दावे जारी रहते हैं एवं संभावित रूप से गलत या गमनझूझकर हेफेयर की गई जानकारी के साथ मतदाताओं को गुमराह किया जाता है। भारत के वर्ष 2019 चुनावों के दौरान फर्जी खबरों को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं करने के लिए व्हाट्सएप की आलोचना की गई, जिसने मतदाताओं की धारणा को प्रभावित किया। उल्लंघनों के माध्यम से मतदाता डेटा का शोषण राजनीतिक अभियानों को व्यक्तिगत जानकारी के आधार पर लक्षित संदेश भेजकर मतदाताओं

को हेफेयर करने की अनुमति दे सकता है, जिससे मतदाता स्वायत्तता से समझौता हो सकता है। कैम्ब्रिज एनालिटिका घोटाले ने उजागर किया कि भारत सहित विश्व भर में चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए मतदाता डेटा का अनैतिक रूप से उपयोग किया गया था। सरकारों एवं चुनाव निकायों को डिजिटल प्लेटफॉर्मों को गलत सूचना के लिए जिम्मेदार ठहराने तथा झूठे कंटेंट के प्रसार के लिए दंड लागू करने के लिए सख्त नियम लागू करने चाहिए। पारदर्शिता सुनिश्चित करने एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अनियमित खर्च के माध्यम से प्राप्त अनुचित लाभ को रोकने के लिए राजनीतिक दलों को अपने डिजिटल विज्ञापन व्यय का पूरी तरह से खुलासा करने की आवश्यकता होनी चाहिए। डिजिटल विज्ञापन खर्च पर विस्तृत रिपोर्ट अनिवार्य करने से चुनाव के दौरान समान अवसर सुनिश्चित हो सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म को बूढ़ी सूचनाओं की निगरानी एवं हटाने के लिए स्वतंत्र तथ्य-जाँचकर्ताओं के साथ सहयोग करना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि केवल सटीक राजनीतिक संदेश ही मतदाताओं तक पहुँचें। राजनीतिक कंटेंट की व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए तृतीय पक्ष के तथ्य-जाँचकर्ताओं के साथ फेसबुक की मौजूदा साझेदारी का विस्तार किया जा सकता है। चुनावी समानता बनाए रखने के लिए, राजनीतिक दलों द्वारा डिजिटल विज्ञापनों पर खर्च की जाने वाली राशि पर सीमाएँ लगाई जानी चाहिए, जिससे अमीर पार्टियों को डिजिटल क्षेत्र पर हावी होने से रोका जा सके। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एल्गोरिदम को यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए, कि सभी पार्टियों के राजनीतिक विज्ञापनों को पार्टी के वित्तीय संसाधनों की परवाह किए बिना समान प्रदर्शन मिले। लोकतांत्रिक निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए गूगल जैसे प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छोटे दलों के विज्ञापनों को बड़े दलों के समान दृश्यता मिले। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चलने वाले सभी राजनीतिक विज्ञापनों वाला एक केंद्रीकृत डेटाबेस जनता के लिए सुलभ होना चाहिए, जिससे संदेश भेजने में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके एवं गुप्त अभियानों को रोका जा सके। गूगल का विज्ञापन पारदर्शिता केंद्र एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन इसे सभी राजनीतिक विज्ञापनों पर अधिक व्यापक डेटा की आवश्यकता है। सरकारों एवं डिजिटल प्लेटफॉर्मों को हानिकारक राजनीतिक कंटेंट के प्रसार को रोकने तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किए गए सहयोगी ढाँचे के साथ निगरानी को मजबूत करने के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए। डिजिटल अभियान, परिवर्तनकारी होते हुए भी, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत निरीक्षण की आवश्यकता है। जैसा कि अब्राहम लिंकन ने जोर दिया था, ‘लोकतंत्र लोगों का, लोगों द्वारा, लोगों के लिए’ होना चाहिए। डिजिटल अभियानों में समान पहुँच एवं कंटेंट विनियमन सुनिश्चित करने से लोकतांत्रिक मूल्य मजबूत होंगे तथा डिजिटल युग में चुनावी प्रक्रियाओं की अखंडता बरकरार रहेगी।

व्यंग्य

सुधीर देशपांडे

(व्यंग्यकार एवं लेखक)



जिंदगी में सम्मान से बढ़कर कुछ नहीं है. और जैसे जैसे आप बड़े होते हैं यह सम्मान आप की जरूरत बन जाता है. छोटे थे तो बड़ों का सम्मान करना पड़ता था तो लगता था कि अपन बड़े हो जाएंगे तो छोटे अपना सम्मान करेंगे. जैसे कि होता है आप अपने से छोटे को वही सिखाते हैं जो आपको आपके बड़ों ने सिखाया, और वैसे ही सिखाते हैं. याने पहले समझाकर, दूसरे डाँटकर तीसरे वही पीटकर. अब यदि यहाँ आपने तीनों में से कोई भी प्रयत्न सिखाने के नाम पर किया तो ये क्या तरीका हुआ, सुनने का साहस रीखा, यदि वह कही कि सिखा रहा था तो भी सिखाने का ये तरीका तो नहीं है, सुनना ही है. जब कि वह खुद सिखाने के



बेलने की बात भी कही थी. पापड़ बेले भी थे परंतु उनके आकार प्रकार से न माँ खुश थी न पत्नी खुश हुई. तो वो जो सम्मान का मिलना है वह पापड़

बेलने से भी गया.

समाजसेवा के क्षेत्र में बहुत भाग दौड़ करनी पड़ती है फिर भी सुविधा वहाँ कम ही होती है. दो तीन बार

फ्ल और बेंड की टोकरीयाँ लेकर अस्पताल में गया हूँ पर हुआ यह है कि वहाँ पहुँचने से पहले ही टोकरी के फल या तो मित्रों द्वारा खा लिए गये या फिर अस्पताल के स्टाफ ने रख लिए. स्वच्छता का सबक पढ़ाने के उद्देश्य से एक गाँव पहुँचे साफ सफाई की तो सरपंच ने कहा आप लोगों ने सफाई करी ये बहुत अच्छा काम है, पर हर हफ्ते आकर सफाई कर दिया करें तो स्वीपर का खर्चा बच जाएगा. तो उम्मीद इस काम में कम थी.

किसी ने पढ़ने लिखने से सम्मान मिलने की बात कही थी सो कमेरे में बैठकर लिखने पढ़ने और फिर उसे सुनाने की इच्छा ने बल पकड़ लिया. कुछ निगाह में

थे जो न लिखते थे न पढ़ते थे फिर भी हर हफ्ते सम्मान समारोह में सम्मर्नित होते थे. पढ़ने लिखने के दौरान यह भी समझ आ गया कि सम्मान कार्यक्रम जो है वह भी उद्योग का दर्जा हासिल कर चुका है और इसके आयोजक उद्योगपति हो चुके हैं. इसके लिए बाकायदा वित्तियज्ञाँपति की जाती है. इसमें सम्मान की चाह रखने वाले को केवल कुछ सौ या हजार रुपये देना पड़ते हैं और सम्मान हो जाता है. इन आयोजनों में थोक में सम्मान दे दिये जाते हैं. तो कह रहा था कि सम्मान पाने की इच्छा अब काफी बढ़ चुकी थी.अर्थशास्त्र का सिद्धांत है कि किसी अप्राप्य की इच्छा पूर्ण करना विलासिता है किंतु जब उसके बिना जीवन कठिन हो तो वह आवश्यकता बन जाती है. सोच रहा हूँ यह सम्मान, जिसमें हार, श्रौफल, शाल, स्मृतिचिन्ह और सम्मान राशि जैसा कुछ हो एकाध सम्मान जुगाड़ ही लिया जाए. कोई हर्ज नहीं है न?

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राखेड्डी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हास्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरिश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

‘सुबह सवेरे’ में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं।
इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

विशेष	
डॉ. मयंक चतुर्वेदी	
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।	



भारतीय ऋषियों ने अपने किए गए तमाम शोधों में से एक अनुसंधान देह की समाप्ति (मृत्यु) के बाद के दूसरे संसार पर भी किया है, जिसे हम आत्माओं का घर भी कहते हैं। जिस प्रकार मनुष्य अनेकानेक जीवाणुओं और विषाणुओं को अपनी खुली आँखों से देख नहीं सकता, किंतु उनका अस्तित्व है, उसी प्रकार से आत्माओं का जगत है, जहां से मृत्यु लोक में ये आत्माएं नाना प्रकार के शरीरों में बार-बार आती हैं। कुछ हमारे आस-पास भी रहती हैं। इनमें से कुछ ऐसी भी हैं जोकि लम्बे समय तक जन्म नहीं लेतीं, क्योंकि उनका पूर्व जन्म का बंधन जोकि मन से जुड़ा है वह जागृत रहता है, स्वभाविक है, वे आत्माएं अपने कुल-परिवार से इतनी अपेक्षा जरूर करेंगी कि वे उनके वर्तमान में भौतिक अस्तित्व का कारण हैं, इसलिए कम से कम कुछ दिन ही सही उनके प्रति श्रद्धा का संस्कार तो पूर्ण करेंगे ही। वास्वत में श्राद्ध की मूलभूत परिभाषा यह है कि प्रेत और पितर के निमित्त, उनकी आत्मा की तुष्टि के लिए श्रद्धापूर्वक जो अर्पित किया जाय वही श्राद्ध है। यह श्राद्ध ठीक आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से पितृपक्ष प्रारंभ होता है और 15 दिन शुक्ल प्रतिपदा तक चलता है। पितृपक्ष में पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जो यव (जौ) तथा चावल का पिण्ड देता है। इस संबंध में श्रीमद्भागवत में भगवान श्री कृष्ण का कथन है-

जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च। तस्मादप्रिहायैतर्थं न त्वं शोचितुमर्हसि॥ श्रीमद्भगवत गीता अध्याय 2, श्लोक 27

अर्थात् जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है। हालांकि श्राद्ध कर्म, तपण विधि की वैज्ञानिकता और अवैज्ञानिकता के अपने तर्क हो सकते हैं, किंतु इसे कुछ इस तरह समझना होगा जैसा कि हमारे आस-पास अनेकों पाई जानेवाली ध्वनि तरंगें हैं। इन तरंगों को आप महसूस नहीं कर सकते, किंतु हर तरंग आपकी ली गई सांसों से शरीर के अंदर और बाहर स्वतः हो रही है। इस संपूर्ण प्रक्रिया में जैसे ही एक निश्चित तरंग को उसकी संचारक गति पर स्थिर किया जाता है, सामने से आवाजें सुनाई देने लगती हैं। बोलते चित्र भी प्रकट हो जाते हैं।

भारतीय ऋषि परंपरा है पूरी तरह वैज्ञानिक

वस्तुतः जो भी लोग श्राद्ध पक्ष को लेकर अविश्वास व्यक्त करते हैं, उन्हें यहां समझ लेना होगा कि अपनी ऋषि परंपरा पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं। अब तक हिन्दू जीवन की जीतनी भी परंपराएं पाई गई हैं, उसके पीछे कोई न कोई वैज्ञानिकता सामने आती रही है। हिन्दू शास्त्रकारों ने इस विषय की ऐसी बारीकी से खोज की है कि मनुष्यों को अपने सप्त प्रकार के भले बुरे कर्मों के परिणामों का भली प्रकार ज्ञान हो जाता है और वे परलोक के स्वरूप को बहुत अच्छी तरह समझ सकते हैं। उदाहरण के तौर पर मृत्यु के बाद दाह संस्कार ही क्यों किया जाता

दृष्टिकोण	
राजेंद्र बज	
लेखक संभकार हैं।	



हर किसी को अपने-अपने क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए संघर्ष के दौर से गुजरना होता है। लेकिन यह कतई आवश्यक नहीं कि हर किसी को उसके संघर्ष का अपेक्षित परिणाम दिखाई दे। आमतौर पर ऐसी स्थिति अवसाद को जन्म देने लगती है। जिसके चलते हताशा और निराशा के घोर अंधकार में भटक जाने की



संभावनाएं उत्पन्न हो सकती है। ऐसी स्थिति में अंतर्मन की दृढ़ता ही वह एकमात्र उपाय है जिसके चलते हम अपनी सफलता का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। जरूरत केवल इस बात की है कि हम अपनी उम्मीद को बरकरार रखते हुए नाउम्मीदी के भंवर से पार पाने की दिशा में प्रयास करना न छोड़ें। एक हकीकत यह भी है कि चाहे संघर्ष का अपेक्षित प्रतिफल न मिले, तो भी किए गए संघर्ष से अनुभव का लाभ तो मिलता ही है। जिसके आधार पर हमारी क्षमता हिममत हर जाने वालों से कई गुना अधिक हो जाती है। दरअसल अनुभव की पूंजी भी बहुत मायने रखती

पूर्वजों को जल देना सिर्फ कर्मकांड नहीं, विज्ञान भी

है? तब इसका उत्तर होगा कि कोई भी मनुष्य हो, वह प्रकृति से जीवन भर लेता है, यदि कोई ईसान अत्यधिक कंजूस है, सिर्फ लेने पर ही भरोसा रखता है, उससे भी जीवन के अंत के बाद पांच तत्वों में भौतिक शरीर के विलीन हो जाने पर शेष अस्थियों में बचे अग्नि के ताप से पवित्र कैल्शियम और फास्फोरस को बहते हुए नदी जल में विसर्जित कर जीव-जगत की सेवा करने का विधान है। गंगा, यमुना, गोदावरी, कावेरी या अन्य नदी के एक घाट पर अस्थि विसर्जन चल रहा होता है तो दूसरे घाट से

नदी के पवित्र जल को अनेक मनुष्य एवं नाना प्रकार के जीव-जन्तु पीकर अपनी प्यास बुझा रहे होते हैं। स्वभाविक है कि विसर्जित अस्थियों का जल उन तमाम शरीरों में जाता है जोकि नदी के जल का सेवन करते हैं या वह जल कृषि कार्य में उपयोग लिया जा रहा है। इस पूरे चक्र में आप देखेंगे कि विसर्जित अस्थियों का कैल्शियम जल के पीने के साथ अनेक जीवों के शरीर में जाकर उनके जीवन को पुष्टता प्रदान करता है और शरीर में प्राकृतिक रूप से कैल्शियम की कमी को दूर करने का कारण बनता है। इसी प्रकार के अनेकों उदाहरण वनस्पतियों, औषधी, धातु, सौरमण्डल, खगोल विज्ञान, वास्तु विज्ञान समेत हर क्षेत्र में आज प्रमाणित हो चुके हैं, जिन्हें कल तक सिर्फ धारणा कहकर या हिन्दू माध्थोलॉजी (मिथ) कहकर आविश्वास प्रकट करते हुए उनके होने पर ही प्रश्न खड़ा किया जाता था, उन्हें सही होने के बाद भी नकार दिया जाता था, किंतु आज वे शतप्रतिशत सही सिद्ध हो चुके हैं।

पुनर्जन्म की अनेक कहानियां आ चुकी हैं अब तक सामने

कहना होगा कि मृत्यु के बाद जीवन का विषय भी कुछ इसी प्रकार का है। भारतीय संदर्भ में मृत्यु के बाद नए जीवन लेने के कई उदाहरण वर्तमान में हमारे सामने हैं, जोकि अन्य मत, पंथ, रिलीजन की धारणाओं के उलट हैं, जैसेकि बेंगलुरु की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के रूप में कार्यरत डॉ. सतवंत पसरिया द्वारा इस विषय पर लम्बे समय तक किए गए शोध के आधार पर पुनर्जन्म पर प्रकाशित 'श्क्लेम्स ऑफ रिइकॉर्नेशन: एम्पिरिकल स्टडी ऑफ कैसेज इन इंडियास' पुस्तक लिखी गई। इसमें उन्होंने 1973 के बाद से भारत में हुई 500 पुनर्जन्म की घटनाओं का उल्लेख किया है। यह पुस्तक तथ्यों के साथ यह प्रमाणित कर देती है कि मृत्यु के बाद पुनर्जन्म है और पुनर्जन्म होने के पहले पितर, प्रेत योनी भी है, जहां कई बार पुनः जन्म लेनेवाली आत्मा को कई वर्षों तक रुकना पड़ा था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक बिकने वाली किताबों में शामिल 'मैनी लीव्स मैनी मास्टर्स' है, जिसके लेखक डॉ. ब्रायन वीस एक मरीज की सच्ची कहानी के बारे में लिखते हैं। ब्रायन वीस अपने मरीज से सवाल पूछते हैं। उक्त महिला मरीज जब इन सवालों के जवाब देती है तो वीस हैरान रह जाते हैं। क्योंकि इन समस्याओं के तार



10 किलोमीटर दूर बसे लसूडिया गांव की है। इस गांव में 11 अगस्त 2008 को आत्माराम के घर एक बालक का जन्म हुआ। परिवारवालों ने इस बालक का नाम विशाल रखा था, चार साल की उम्र में इस बालक ने अपने पिछले जन्म के परिवार जनों के बारे में बताया और मिलने की जिद की।

दरअसल, वह बता रहा था कि मोगराराम नाम के स्थान का रहनेवाला है और उसका नाम मेहताब सिंह है। बच्चे को जब मोगराराम ले जाया गया तो पता चला कि उसका कहा सच है। इस विशाल नाम के चार साल के बच्चे ने पूर्वजन्म में उनके साथ हुई लूट की घटना और खेत-खलिहान तक को पहचान लिया। मेहताब सिंह के बेटे और बहु ने चार साल के विशाल को अपना पिता और सुसुर मान लिया और इसी रूप में इन्हें सम्मान दिया। गीताप्रेस गोरखपुर से प्रकाशित कल्याण पत्रिका में इस घटना का उल्लेख किया गया है। अमेरिका की वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक डॉ. इयान स्टीवेंसन ने 40 साल तक इस विषय पर शोध करने के बाद एक किताब 'रिइकॉर्नेशन एंड बायोलॉजी' लीखी थी जिसे सबसे महत्वपूर्ण शोध किताब माना गया है।

वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पं. श्रीराम शर्मा 'आचार्य' ने एक किताब लिखी है, 'पुनर्जन्म : एक ध्रुव सत्य।' इसमें पुनर्जन्म के बारे में अच्छी विवेचना की गई है। लखनऊ लिट्रेचर फेस्टिवल-2018 में पूर्वजन्म की अवधारणा पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया गया, नाम है 'पास्ट फॉरवर्ड'। यह पुस्तक अमृता लांबा नाम की लेखिका ने अपने पिता बलबीर सिंह उप्पल के जीवन पर लिखी है, उन्हें अपने पिछले जन्म की सभी बातें याद रहीं।

बचपन में ये अपने माता-पिता के साथ अपने पिछले जन्म के घर, जो अब पाकिस्तान में है भी गए थे। लेकिन बाद में इनके माता-पिता ने वहां जाना बंद कर दिया क्योंकि वे अपने बेटे को परेशान होते हुए नहीं देखना चाहते थे। अमृता ने अपने पिता द्वारा बताई गई यादों पर पाकिस्तान जाकर ही रिसर्च की और सबकुछ सही पाया। यानी कि मृत्यु के बाद जीवन है और इस पुनर्जीवन के बीच जो उद्वह्राव है, वह पितर लोक का है।

चंद्रमा पर है पितरों (आत्माओं) का निवास

शतपथ ब्राह्मण में कहा है विभुः उर्ध्वभागे पितरो वसन्ति यानी विभु अर्थात् चंद्रमा के दूसरे हिस्से में पितरों का निवास है। अब यह बात अलग है कि पश्चिम का विज्ञान इसे अब तक सत्य स्वीकारने को तैयार नहीं, किंतु भारत में इसके अनेकों उदाहरण ही नहीं परकाया प्रवेश से लेकर आत्मा के प्रकाश और स्थूल शरीर के बिना जीवन को तथ्यों के आधार पर स्वीकार करनेवाले वैज्ञानिकों की कोई कमी आज भी नहीं है। श्राद्ध कर्म में पिण्डदान हो या जल एवं तिल इत्यादि पितरों को

सर्मापित करना, यह हमारी श्रद्धा से जुड़ा है। वस्तुतः श्राद्ध आत्मा के गमन जिसे संस्कृत में प्रैति कहते हैं का ही पर्याय है। प्रैति ही बाद में लोक भाषा में भूत-प्रेत बन गया, जबकि यह आत्मा और मन है। जब शरीर छूटता है तो प्राण तत्व मन को लेकर बाहर निकलता है। किंतु मोह वश वह मृत हुई अपनी देह के इर्द-गिर्द ही घूमता है। शरीर के अग्नि में समाहित होने के बाद भी प्राण मन के साथ उस देहआत्मा के बन्धु-बान्धव यानी कि कुटुम्ब के साथ एक मय रहता है।

मन के बारे में शास्त्र कहते हैं कि मन चंद्रमा से जुड़ा है। यह चंद्रमा से आता है और चंद्रमा में ही जाता है। दाह संस्कार के समय चंद्रमा जिस नक्षत्र में है, प्राण मन को उस ओर ही लेकर जाता है। चंद्रमा 27 दिनों के अपने चक्र में क्रमशः 27 नक्षत्रों में घूमता है, और अष्टादश्वेद दिन फिर से उसी नक्षत्र में आ जाता है। मन की यह 28 दिन की यात्रा है। इसलिए मासिक श्राद्ध और पिण्ड दान का विधान हिन्दू सनातन व्यवस्था ने किया है। इसी के साथ यहां पिण्ड दान में चावल एवं अन्य अन्नों के महत्व को भी समझते चलते हैं। चंद्रमा सोम का कारक है। इसलिए उसे सोम कहा गया। सोम सबसे अधिक चावल में पाया जाता है। सोम तरल द्रव्य है, धान भी सदैव पानी में डूबा रहता है। चावल के आटे का पिंड भी इसीलिए बनाया जाता है, तिल और जौ भी इसमें मिलते हैं, फिर पानी और घी भी मिलाया जाता है, जिससे कि इसमें और भी अधिक सोमत्व आ जाता है।

श्राद्ध की हर क्रिया के पीछे है गहरा भाव निहित

हिन्दू शास्त्रों के अनुसार शरीर के अंग-प्रत्यांगों में हथेली के ऊपरी भाग अंगूठे और तर्जनी के मध्य में नीचे

कला संस्कृति	
विवेक कुमार मिश्र	
लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।	



कैसे नवास पर केवल कूंची ही नहीं चलती न ही रंग भर को उतारते रहते हैं इससे बहुत आगे जब अपना सब कुछ मन, प्राण इस तरह से उतार कर रख देते हैं कि कुछ बचे ही नहीं तो जो बनकर सामने आता है वह अलग ही होता है उसका आनंद ही अलग होता है। कैनवास पर केवल आकृति भर नहीं उतरती हम स्वयं ही उतर जाते हैं। जो कुछ सामने होता, जो दृश्य संसार होता वह पूरा का पूरा उतरता चला जाता है। यह सब संभव होता है जब कलाकार अपनी पूर्णता में अपनी कला में उतर जाना चाहता हो... कला पूरी ईमानदारी का दृश्य संसार है। जो कुछ है जैसा है वह सब आ जाए कुछ भी छिपाव नहीं , कुछ भी दुराव नहीं फिर जो कलाकृति होती है वह इतनी विशिष्ट हो जाती है जितनी और जिस मात्रा में कलाकार होता है। किसी भी तरह की कला क्यों न हो वह कलाकार की समग्र सत्ता का परिणाम होती है। कलाकृति में कलाकार पूरा आ जाता है। कला अधूरेपन की कहानी नहीं है। जो कुछ और जैसे भी है उसे मन में जीते हुए अपने आप को कैनवास पर उतार देना ही कला को जीना होता है। कलाकृति किसी अन्य की इच्छा इन परिणाम नहीं होती अन्य की इच्छा से यदि कला रची जाती है तो वह अन्य के मन का ही प्रतिबिम्ब होता है। वहां सबकुछ कलाकार ही होता है इसलिए यह कहा जाना ठीक लगता है कि कलाकृति में कलाकार उपस्थित हैं और जहां कलाकार नहीं है वहां कुछ भी हो सकता है पर कलाकृति नहीं होगी। वह कुछ नहीं होगा जिसे देख आंखें तृप्त हो जाया करती हैं । आंखें तो तभी आश्चर्य प्रकट करती हैं जब कुछ अलग अलग हटकर हों जिसके होने का कुछ विशेष अर्थ हो और वह सब जब आता है तो एक अलग ढंग से ही दुनिया चमकने लगती है। एक दूसरा ही संसार दिखने लगता है। यह संसार ही कला संसार होता है। इस संसार में कलाकार और कलाकृति एकमेव हो अपने आप को सिद्ध करते हैं। यह कलाकार होना ऐसे थोड़े ही है। बात दर बात को जीना पड़ता है यदि आप जी नहीं सकते, यदि आप संसार में नहीं हैं और पूरे मन के साथ नहीं हैं तो भला कोई चीज कैसे सामने आ सकती है। यहां कला कला भर ही नहीं रह जाती है। कला से बहुत आगे हमारा जीवन संसार और अस्तित्व का राग का संसार चल पड़ता है। जो कलाकृति है उसमें कलाकार ही पूरा का पूरा उतर जाता है।

कलाकृति कला रूप की जीवत प्राण छवि

कला कलाकार की समग्र सत्ता का परिणाम होती है

होती है - जीवन का मूल कला के क्षण और कला के मूल में होता है। कोई भी कला क्यों न हो वह एक रूप भर नहीं होती। वह बार बार अपनी छवि को नये सिर से अभिव्यक्त करती है। कविता का सत्य, कलाकृति का सत्य, जीवन का सत्य और चेतना का सत्य एक ही भावभूमि पर चलता है। कलाएं ही जीवन होती हैं। अपने कर्म के कैनवास पर यूं ही नहीं उतर जाता। उसे रचने गढ़ने में एक कलाकार ही उतर जाता है। इस तरह कलाकार ही कलारूपों में समाया होता है। कोई भी कलारूप क्यों न हो एक बार में न देखा जा सकता न एक बार में जाना जा सकता है। जितनी बार कलाओं को देखते हैं उतनी ही बार नये ढंग से कला रूप संसार में आता है। हर कलाकृति कलाकार के सामने एक चुनौती होती है। कलाकृति के साथ ही कलाकार कैनवास पर उतर जाता है। किसी भी कलाकार को उसके मूल रूप में देखना जानना हो तो उस कलाकार की कृति को देखें चित्र में कलाकार ही उपस्थित है। कलाकृति में जीवन, संसार, और कलाकार के आत्म संघर्ष एक साथ होते हैं। अलग थलग कर हम कुछ नहीं देख पाते। यह बात दीगर है कि चीजों को अध्ययन की सुविधा के लिए आप अलग अलग उप शीर्षक में, अलग-अलग कोटियों में बांटकर रखते हैं पर तब तक कोई भी अध्ययन और बात पूरी नहीं होती जब तक उसे समग्र रूप में न देखा जाए। यहां हमारा संसार और जीवन अभिव्यक्त होता है। यह भी सत्य है और साफ है कि इसी बिंदु पर हर कलाकृति विशिष्ट होती है क्योंकि एक कलाकार की समूची आत्मसत्ता उसमें डुबी होती है। प्राण मन और आत्मा एक साथ कला रूप में होते हैं। पूरा दिल ही, एक तरह से कंठें तो जिगर ही उतार कर रख देते हैं और फिर कैनवास अलग से ही चमकने लगता है, कुछ और ही कहने लगता है। वैसे तो जो कुछ भी करें जब तक दिल से यों कंठें कि मन से नहीं करते तो कोई भी बात नहीं बनती। आप हवा में चित्र नहीं बना रहे हैं। हर चित्र में कैनवास के एक हिस्से में आप स्वयं उतर जाते हैं तब जाकर पूरा संसार पूरा दृश्य जगत और पूरा चित्र बनता है। आप चित्र भर नहीं बनाते उस चित्र में आप पूरी तरह से उतर जाते हैं यह सब रचनात्मक यात्रा के रूप में दिखता है। कभी भी कुछ भी यूं ही नहीं हो जाता। यूं ही कुछ नहीं होता। एक साहब थे कह रहे थे कि कविता में क्या है दो चार लाइन लिखी कुछ

का उभरा हुआ स्थान शुक्र स्थान है। शुक्र से ही हम जन्म लेते हैं और हम शुक्र ही हैं, इसलिए वहीं पिण्डदान करते समय कुश रखा जाता है। कुश ऊर्जा का कुचालक होता है। श्राद्ध करने वाला इस कुश पर पिंड को रखता है फिर उसे सूंघता है। ऐसा करने के पीछे का भाव यह है कि उसका और उसके पितर का शुक्र जुड़ा हुआ है, इसलिए वह श्रद्धाभाव से आकाश की ओर देख कर, सूंघकर उसे पितरों को समर्पित करता है और पिंड को जमीन पर गिरा देता है। ऐसा करने से पितरों को ऊर्जा मिलती है ।

इस तरह से हम सनातनी प्रैति या प्रेत को उसके गंतय स्थान चंद्रमा तक पहुँचाने की व्यवस्था करते हैं। इसलिए पिंडदान षोडश संस्कार में अंतिम संस्कार का एक महत्वपूर्ण विधान है। इस क्रिया के बाद से फिर मोक्ष की यात्रा शुरू हो जाती है, चंद्रमा में जाते ही मन का विखंडन हो जाएगा। मोक्ष का यही रास्ता है। उसके बाद फिर देहआत्मा पुनर्जन्म लेगी अथवा नहीं, यह उसके सिंचित कर्मों पर निर्भर करता है। तब तक वह चंद्रमा पर वास करेगी, इन पितर पक्ष के 16 दिनों में हर वर्ष चंद्रमा पृथ्वी के सबसे नजदीक होता है, इसलिए इन दिनों में पितरों की विशेष पूजा एवं आराधना की जाती है।

श्राद्ध का आर्थिक पक्ष ग्राय्य और वन संस्कृति को समृद्ध बनाने से जुड़ा है।

इसके साथ ही इन 16 दिनों की पूजा का आर्थिक पक्ष भी है, समाज में सुदूर ग्राम्य एवं वन्य जीवन में नदियों के किनारे पाई जानेवाली विशेष कुशा (घास) से बनने वाले आसन एवं श्राद्ध के दौरान अनामिका उंगली में पहनी जाने वाली कुशा की अंगूठी जिसे पवित्री कहा जाता है उसका अपना महत्व है। अनामिका उंगली में कुशा की अंगूठी पहनना शुभ माना गया है। इसके अलावा पूजा की कई सामग्रियां ग्राय्य एवं वनांचल में तैयार की जाती हैं। इन 16 दिनों में जब भारत के कोने-कोने में सनातन हिन्दू समाज अपने पूर्वजों के लिए इस कुशा एवं अन्य पूजा सामग्री का उपयोग करता है तो देश के बहुत अंदर या वनांचल क्षेत्र में पाई जानेवाली समस्त कुशा से बनने वाले आसन एवं अन्य सामग्रियों का उपयोग (खापट) इतनी अधिक होती है कि कई बार इनकी बाजार में कमी तक हो जाती है। कहने का तात्पर्य है कि धन का विकेंद्रीकरण, यहां श्राद्ध पक्ष में आप सुदूर बैठे लोगों तक सहजता से होता हुआ पाते हैं, ताकि उनकी जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति वर्ष भर इसी काम से हो जाए। तब यह श्राद्ध कर्म अपने पितरों को श्रद्धा अर्पित करने तक सीमित नहीं रह जाता है, यह अनेकों के जीवन में उजास लाने का कारण बनता हुआ भी दिखाई देता है।

अतः कहना होगा कि जिस अनुसंधान की उच्चावस्था तक भारतीय मनीषा पहुंची है, उस तक अभी आधुनिक-पश्चिमी विज्ञान को पहुंचने में बहुत समय लगेगा। अब तक समय के साथ भारत के ऋषियों की बातें, उनकी समस्त खोजें सच साबित होती रही हैं। इस आधार पर आप यह उम्मीद कर सकते हैं कि श्राद्ध पक्ष और पितृ पक्ष से जुड़ा यह वैज्ञानिक पक्ष भी एक दिन आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर संधारित हो जाएगा, इसलिए आप अपनी जड़ों से जुड़े रहें, अपने पूर्वजों को इन 16 दिनों तक सतत याद कर उनके प्रति अपने होने के कारण के निमित्त श्रद्धा अर्पित करते रहें। अपने पूर्वजों को जल देने का भारतीय विधान सिर्फ कर्मकांड नहीं, विज्ञान ही है।



हिमांशु सिंह ठाकुर का असिस्टेंट डायरेक्टर के लिए चयन

यूपीएससी ने 12 पद के लिए आयोजित की थी परीक्षा



बैतूल। वरिष्ठ पत्रकार अनिल सिंह ठाकुर एवं उषा सिंह के पुत्र हिमांशु सिंह ठाकुर ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स में असिस्टेंट डायरेक्टर (कॉरपोरेट लॉ) पद के लिए आयोजित परीक्षा आज पास कर ली। यूपीएससी ने 12 पद के लिए दिसंबर 2023 में लिखित परीक्षा आयोजित की थी। जिसमें सफल होने के बाद बोते माह 21 अगस्त को यूपीएससी भवन दिल्ली में हिमांशु का साक्षात्कार हुआ था। जिसका आज परिणाम घोषित हुआ, जिसमें हिमांशु की ऑल इंडिया दसवीं रैंक आई। हिमांशु सिंह अंतर्राष्ट्रीय वालीबॉल खिलाड़ी स्व. नारायण सिंह ठाकुर के पोते, प्रसिद्ध शिक्षाविद् के.बी.सिंह (पाथाखेड़ा) के नाती, वर्ष 2014 में यूपीएसएससी की सिविल सेवा में सफल रहे अजित सिंह ठाकुर के भाई तथा सुरेन्द्र सिंह ठाकुर एवं वीरेंद्र सिंह ठाकुर के भतीजे हैं। हिमांशु ने प्रारंभिक शिक्षा सतपुरड़ा वैली पब्लिक स्कूल में करने के उपरांत एशिया के सबसे पुराने (वर्ष 1855) शासकीय विधि महाविद्यालय (जीएलसी) मुंबई में पांच वर्षीय लॉ की पढ़ाई की थी। हिमांशु सिंह को मिली सफलता पर अनेक लोगों ने उन्हें एवं ठाकुर परिवार को बधाई दी है।

एनसीसी की छात्राओं ने शुरु किया स्वच्छता अभियान

बैतूल। 5 एमपी बालिका बटालियन नर्मदापुरम के तत्वावधान में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज में प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे के संरक्षण में एनसीसी का लेफ्टिनेंट डॉ. कमलेश अहिरवार के मार्गदर्शन में नोडल अधिकारी डॉ. सुखदेव डोंगरे द्वारा महाविद्यालय परिसर में एनसीसी की 80 केडेट्स द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया। डॉ. सुखदेव डोंगरे द्वारा उपस्थित सभी छात्राओं को 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर स्वच्छ साफ सुथरा रखने की शपथ दिलाई। डॉ. विजेता चौबे ने कहा महात्मागंधी का सपना था कि हम भारत को स्वच्छ बनाएंगे। डॉ. कमलेश अहिरवार ने कहा स्वामी विवेकानंद विद्यार्थी को स्वच्छता के लिए प्रेरित करते थे। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने कहा आसपास की स्वच्छता करने से अपना शरीर, मन एवं दिमाग में अच्छे विचार आते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में दीक्षा अंडर ऑफिसर, पल्लवी, सोनाली देशमुख, सारजेंट पूनम महस्की, पूजा वराटे आदि का सक्रिय सहयोग रहा।

कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा 20 सितंबर को

बैतूल। जिले के किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के आह्वान पर 20 सितंबर को जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा सुबह 11:30 जिला मुख्यालय स्थित बडोरा कृषि मंडी से शुरू होगी। इस किसान न्याय यात्रा में मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता एवं बैतूल जिला किसान न्याय यात्रा के प्रभारी राजकुमार केलु उपाध्याय विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अनुराग मिश्रा ने बताया कि अतिवृष्टि के चलते सोयाबीन और धान की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। सोयाबीन की फसल उग नहीं रही है जिससे लागत दोगुनी हो गई है। सोयाबीन के दाम बढ़ाने एवं अन्य मांगों को लेकर उक्त किसान न्याय यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें श्री मिश्रा ने कांग्रेस सेवा दल के सभी जिला पदाधिकारी एवं सभी ब्लॉक अध्यक्षों सहित सेवा दल के सभी साथियों से अधिक संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है।

शासकीय विद्यालय में विशेष श्रमदान दिवस पर हुए अनेक कार्यक्रम



बैतूल / मुलताई। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अंतर्गत विशेष श्रमदान दिवस पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता राजपूत ने कार्यक्रम का संचालन किया इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वर्षा खुराना, डॉ. नरेंद्र हनोते, प्रो. कालभोर ने स्वच्छता पर व्याख्यान दिया। प्रो कालभोर ने छत्र छात्राओं को बताया कि हमें अपने आस पास के वातावरण को स्वच्छ रखते हुए अन्य सार्वजनिक स्थलों की साफ सफाई का भी ध्यान रखना है। डॉ.अभिनीत सररोदे ने बताया कि वृक्षारोपण करने के साथ साथ पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पॉलिथिन का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए डॉ. वर्षा ठाकरे ने बच्चों को गुटखा तंबाकू का सेवन न करने एवं अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की बात कही। इस अवसर पर एनएसएस के पुरुष इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. एल एल राउत ने कार्यक्रम में सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय परिसर में छत्र छात्राओं एवं स्टॉफ के द्वारा साफ सफाई का कार्य भी किया गया जिससे परिसर में स्वच्छता का वातावरण बना रहे। इस अवसर पर प्रो. अंजलि सौदगार, प्रो. प्रियंका मोहबे, प्रो. प्रकाश गीते, डॉ. दीपिका पिपरदे , गीता साहू एवं समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

बैतूल

बैतूल में डाटर्स डे पर जुटेगी जिले, प्रदेश और देश की प्रतिभाशाली बेटियां

स्व. नेहा श्रीवास्तव की स्मृति में 30 बेटियों को दिया जाएगा मणिकर्णिका सम्मान



बैतूल। एक बार फिर हमारा बैतूल सेवा, समर्पण एवं बेटियों के सम्मान में नया अध्याय लिखने जा रहा है। 22 सितंबर डाटर्स डे के अवसर पर जिले, प्रदेश एवं देश की प्रतिभाशाली बेटियों का जमावड़ा जिले में होने जा रहा है। अवसर है स्व. नेहा अभिषेक श्रीवास्तव की स्मृति में आयोजित मणिकर्णिका सम्मान समारोह का। पिछले तीन वर्षों से डॉ वसंत श्रीवास्तव एवं एडवोकेट नीरजा श्रीवास्तव अपनी बेटी नेहा श्रीवास्तव की स्मृति में बैतूल सांस्कृतिक सेवा समिति के संयोजन में मणिकर्णिका सम्मान समारोह का आयोजन कर रहे हैं। हर बार मणिकर्णिका सम्मान नए कीर्तिमान रच रहा है। इस बार भी यह सम्मान समारोह खास होगा क्योंकि पदमश्री दुर्गा बाई व्योम, मिलेट क्रीन लहरी बाई, पर्वतारोही गौरी अंजारिया, विलक्षण प्रतिभा की धनी

लोक कलाकार नरबदिया बाई के अलावा देश, प्रदेश की अग्रणी महिलाओं से पूरी दुनिया को रुबर कर रही स्वयंसिद्धा वेबसाईट की संपादक सारिका ठाकुर एवं सह सम्पादक सीमा चौबे भी समारोह में शिरकत कर ही है।

रामकृष्ण बगिया में होगा मणिकर्णिका सम्मान समारोह- सम्मान समारोह के संबंध में समाजसेवी मनीष दीक्षित ने बताया कि मणिकर्णिका सम्मान समारोह अपराह्न 3 बजे रामकृष्ण बगिया में होगा। श्री दीक्षित ने नगर एवं जिले वासियों से विशेष रूप से अनुरोध किया है कि देश की प्रतिभाशाली बेटियों के संघर्ष की कहानी रुबर सुनने, उन्हें जानने का यह अवसर है, इस कार्यक्रम में अपनी बेटियों के साथ अवश्य शामिल हो। संभव है कि अलग-अलग क्षेत्रों में कीर्तिमान रचने वाली बेटियां जिले की



बेटियों के लिए प्रेरणा बन जाए और आगे चलकर जिले की बेटियों को भी हम कीर्तिमान रचते हुए देखें। आयोजन समिति श्रीवास्तव दम्पति सहित कांति शिवा मल्टी प्लेक्स के संचालक विवेक मालवी, धीरज बोथरा बोथरा शॉपिंग सेंटर, अतुल गोठी होटल आईसीइन, धीरज हिराणी एच मार्ट अपना मार्ट, अभिमन्यु श्रीवास्तव महाप्रबंधक एमपी विनियर्स प्राइवेट लिमिटेड, राजेश आहुजा आदित्य होण्डा शोरूम,डॉ कृष्णा मौसिक आरके मेमोरियल हास्पीटल, पगारिया स्टेशनरी एंड स्पোর্ट्स के संचालक हेमंत पगारिया, समाजसेवी मनीष दीक्षित एवं बैतूल सांस्कृतिक सेवा समिति अध्यक्ष गौरी पदम, सचिव भारत पदम, कोषाध्यक्ष जमना पंडाग्रे, सह सचिव ईश्वर सोनी एवं सभी सदस्यों ने कार्यक्रम में उपस्थिति होने का अनुरोध किया है।

सुभाष वार्ड में हाई टेंशन लाइन के नीचे अतिक्रमणकारियों का आतंक, बिजली कंपनी के नोटिस का भी नहीं असर

सक्षम लोग सरकारी जमीन पर कर रहे कब्जा, कलेक्टर से शिकायत

● वार्डवासियों ने पूर्व में कई बार की शिकायत, लेकिन नहीं हुई कोई कार्यवाही

बैतूल। शहर के सुभाष वार्ड में हाई टेंशन लाइन के नीचे हो रहे अवैध अतिक्रमण से वहां के रहवासी भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने कलेक्टर से शिकायत की है कि उनके वार्ड में सरकारी जमीन पर अतिक्रमणकारियों ने अवैध तरीके से मकान बना रखे हैं। खास बात यह है कि ये अतिक्रमणकारी गरीब नहीं, बल्कि सक्षम लोग हैं, जिनके पास अपने निजी मकान के साथ फ्रेन, ट्रेक्टर और फोर व्हीलर भी है। मकान को उन्होंने किराए पर दे रखा है और यहां कब्जा कर रखा है। अतिक्रमणकारियों में से कुछ अपराधी प्रवृत्ति के लोग भी हैं, जो वार्ड के निवासियों के लिए आए दिन समस्याएं खड़ी करते हैं।

शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उनके घर के सामने हाई टेंशन लाइन के नीचे अतिक्रमण हो रहा है, जिससे बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। बिजली कंपनी द्वारा इन अतिक्रमणकारियों को कई बार नोटिस भी दिया जा चुका है, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ है। इनमें से कई लोग सरकारी नौकरी में भी कार्यरत हैं और उन्होंने अपने घरों को किराए पर देकर यहां कब्जा कर रखा है। वार्ड के लोगों ने नगर पालिका और राजस्व विभाग में भी शिकायत दर्ज करवाई है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि कुछ अतिक्रमणकारी अपराधी भी हैं। इनमें दीपेंद्र नामक अपराधी भी शामिल हैं, जो जिला बंदर हो चुका है। हाल ही में वह पिस्टल के साथ भी पकड़ा गया था। ऐसे लोगों के कारण वार्ड में डर और भय का माहौल है। आए दिन चोरी और अपराधों की घटनाएं हो रही हैं, जिससे लोग डरे हुए हैं।



जनसुनवाई में भी अतिक्रमणकारियों के खिलाफ नहीं हो रही कोई सुनवाई- सुभाष वार्ड के लोगों ने बताया कि वे कई बार जनसुनवाई में भी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है। इन अतिक्रमणकारियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे रोड पर ही ईट, गिट्टी और रेत डाल देते हैं, जिससे राहगीरों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, जब भी कोई इनसे कुछ कहता है, तो ये लोग झुठे केस में फंसाने की धमकी देते हैं। वार्ड के लोग अब कलेक्टर से न्याय की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि अवैध अतिक्रमण को तत्काल हटया जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए,

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज लंबित शिकायतों का करें शत-प्रतिशत निराकरण : कलेक्टर

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने बुधवार को टीएल बैठक में समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने आगस्त माह में सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

कलेक्टर ने समस्त सामाजिक सुरक्षा पेंशनों के हितग्राहियों का समग्र पोर्टल पर आधार ई-केवायसी दो दिनों में शत प्रतिशत किए जाने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। इसके अलावा एक पेड़ मां के नाम अभियान की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि जिले में जितने भी पौधे लगाये



गये हैं उनकी फोटो वायूदूत एप्प पर अपलोड करें। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में गंभीरता एवं अति संवेदनशीलता के साथ काम करें और शिकायतों के निराकरण में तेजी लाएं। पीएम श्री एम्बुलेंस योजना, बालिकाओं में सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण तथा आयुष्मान कार्ड की प्राप्ति की समीक्षा कर कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को आगामी 25 सितंबर तक 100 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के निर्देश दिए।

स्कूल बसों की जांच के लिए निर्देश- कलेक्टर ने

जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि वे पुलिस के साथ समन्वय कर स्कूल बसों की जांच करें और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाली बसों को जब्त करने की कार्यवाही करें। साथ ही कॉलेज के विद्यार्थियों के ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाने के लक्ष्य को पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में शासन के निर्देशों के अनुरूप प्रातः 10 बजे सभी कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कार्यालयों में सार्थक एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए गए।

समीपवर्ती ग्राम अकोला टोला में इनामी चौपड़ प्रतियोगिता संपन्न, नर्मदापुरम जिले की 95 टीमों ने भाग लिया



सुबह सवरे सोहागपुर।

समीपवर्ती ग्राम अकोला टोला में भव्य इनामी चौपड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में नर्मदापुरम जिले की 95 टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का समापन कांग्रेस के सोहागपुर विधानसभा के प्रत्याशी रहे पुष्परजसिंह पटेल, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, सरपंच सुरेन्द्र सिंह ठाकुर,दमनसिंह ठाकुर, संजय अहिरवार, दीलतराम अहिरवार, समाजसेवी गणेश अहिरवार सोहागपुर आदि के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता गेंदालाल अहिरवार ने की।आयोजन समिति के समाजसेवी गणेश अहिरवार सोहागपुर ने इस प्रतिनिधि को बताया कि 3 दिनों तक चलने वाली चौपड़ प्रतियोगिता में नर्मदापुरम जिले की 95 टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में ग्राम सोना के ओमप्रकाश बरगले प्रथम स्थान प्राप्त किया।दिलीप अहिरवार पचलावड़ा दूसरे स्थान पर रहे। तीसरे स्थान पर पिपरिया की टीम एवं चौथा स्थान चौराहेट की टीम को दिया गया। इस अवसर पर पहलवान अहिरवार मोतलसिर, संतोष अहिरवार,मदन बामने भट्टायांव, मुकेश लौंगरे, बलराम भाई बाबई,बारेलाल अहिरवार,बैजनाथ अहिरवार, धर्मेन्द्र अहिरवार,राजेश अहिरवार,गोपीलाल अहिरवार, रामस्वरूप अहिरवार, पप्पू अहिरवार, मुन्नालाल अहिरवार,साहबलाल,कलीराम देवेंद्र, छन्नू खंशकार आदि उपस्थित थे। ग्राम अकोला के निलेश सिंह ठाकुर ने चौपड़ प्रतियोगिता समिति को सहयोग दिया। इस अवसर ग्राम अकोला के अलावा आस-पास के चौपड़ प्रेमी भारी संख्या में उपस्थित थे।

विभाग स्तरीय खेलकूद समारोह बैतूल में सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर के छात्रों ने प्राप्त किए गोल्ड मेडल

सुबह सवरे सोहागपुर। विभाग स्तरीय खेलकूद समारोह बैतूल में सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर के भैया बहनों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करके संस्था का नाम गौरवान्वित किया है। उल्लेखनीय है कि प्रथम स्थान पर चयनित भैया बहनों को शिवपुरी में 20 से 22 सितम्बर तक प्रान्त स्तरीय खेलकूद समारोह में सहभागी होने का अवसर प्राप्त हुआ है । प्राचार्य अशोक कुमार दुबे ने इस प्रतिनिधि को बताया कि विभाग स्तरीय



खेलकूद प्रतियोगिता बैतूल में पुरस्कार विजेता प्रथम रूबी पाल किशोर वर्ग 200 मीटर दौड़ ,प्रथम निधि रघुवंशी किशोर वर्ग भाला फेंक,प्रथम शौर्य दीक्षित किशोर वर्ग100 मीटर दौड़-प्रथम, 200 मीटर दौड़-प्रथम एवं लंबी कूद में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। तारासिंह धानक किशोर वर्ग।500 मीटर दौड़ एवं 400 मीटर बाधा दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया।शिवम कहार तरुण वर्ग 100 मीटर दौड़ एवं 110 मीटर बाधा दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इससे सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र छात्राओं में उल्लास का माहौल बन गया है कि। खेल-कूद में सोहागपुर सरस्वती मंदिर के छात्र उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। प्राचार्य अशोक कुमार दुबे,जीवन दुबे,खेल शिक्षक पंचम,नागवंशी निकिता कुशवाहा,ममता यादव, शिवनंद ठाकुर,संतोष पटेल, कीर्ति चौरसिया, सीता विश्वकर्मा,नीता भावसार, सुखलाल पटैन, आदि आचार्य, दीदियों ने भैया बहनों को बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की है । अतिथियों ने छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

विधायक श्री महेन्द्र नागेश ने दिलाई स्वच्छता बनाये रखने की शपथ

नरसिंहपुर। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता थीम पर स्वच्छता ही सेवा राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 74 वे जन्मदिवस के अवसर पर जनपद पंचायत गोटेगांव में आयोजित कार्यक्रम में विधायक गोटेगांव श्री महेन्द्र नागेश शामिल हुए। उन्होंने यहां नागरिकों को स्वच्छता बनाये रखने की शपथ दिलाई और प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के अंतर्गत लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के स्वीकृति पत्र प्रदान किये। इस दौरान स्वच्छता कर्मियों का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी श्री सरदार सिंह पटेल, अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि, सीईओ जनपद सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी और नागरिक मौजूद थे।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र का वर्चुअल शुभारंभ हुआ

नरसिंहपुर। नागरिकों को सस्ती जेनेरिक दवाएं देने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र का शुभारंभ प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव द्वारा वर्चुअली रूप से किया गया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण अस्पताल परिसर में देख व सुना गया। जिला चिकित्सालय में स्थापित प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का फीता काटकर शुभारंभ कलेक्टर श्रीमती शीतला पटेल एवं पूर्व मंत्री श्री जालम सिंह पटेल ने किया। साथ ही उन्होंने स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत जिला अस्पताल के सफाईकर्मियों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि जन औषधि केंद्र से सस्ती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां मिलेंगी। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोग सस्ती जेनेरिक दवाओं का लाभ उठा सकेंगे। अब सभी जिला चिकित्सालयों में भी प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र से मरीजों को ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50 से 90 प्रतिशत तक कम दाम पर दवाइयां उपलब्ध होंगी। पूर्व राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि गरीब परिवारों के हितग्राहियों को इलाज के लिए मार्केट से महंगी कीमतों में दवाई खरीदनी पड़ती है, उनकी समस्याओं को ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र खोले गए हैं। इन केन्द्रों पर विभिन्न प्रकार की जेनेरिक दवाएं अब कम दामों में मिलेंगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा आयुष्मान कांड योजना के माध्यम से गरीब परिवारों के हितग्राहियों को 5 लाख रुपये तक का इलाज दिया जा रहा है।

जीवनदायिनी मां नर्मदा की प्रतिमा के भविष्य को लेकर चौक-चौराहों पर चर्चा गर्म...

नर्मदापुरम। आखिर नगर के जिम्मेदारों को हो क्या गया बगैर सोचे समझे जो अपनी जुगत में नगर को ऊपर-नीचे किए दे रहे फिर भी सब खामोश है..! नगरपालिका तो मानों पूरी मदहोश हैं, जबसे अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर विरोध सामने आया नगर की हालत और गंभीर हो चली, दस दिन बीत गए गणेश उत्सव मनाया जा चुका नगरपालिका खंबों पर लाइट लगा नहीं पाई, त्योहार में तीसरी दफा परिषद कार्यकाल में श्रद्धालु नागरिक सब सड़कों पर चलने वाहनों की रोशनी में आवाजाही के लिए मजबूर हुए खंबों पर लाईट नहीं जलाई गई, मोहल्ले अंधेरे में रहे,

हार्दमास्ट लगाने में कमीशन बनाया वो भी पूरी तरह नहीं जल पाए। धार्मिक नगरी घोषित करवाने को मुख्यमंत्री के पीछे पड़े रहने वाले मीट मटन मार्केट के लिए शहर बीच जगह ढूँढने लगे.. स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाने के लिए (दिखावे के लिए) हाथों में झाड़ू थाम ली, पखवाड़ा सुझाव में आमंत्रित अतिथि की बेइज्जती करवाने में कसर नहीं छोड़ी, सड़कों पर गड़्डों के कारण चलना दूभर हो गया, अमृत पेयजल की फूटी लाईनों से हजारों लीटर पानी बह रहा जिनकी मरम्मत नहीं करा रहे, अंडर ग्राउंड सीवरेज लाइन के लिए खोदी गई सड़क ठीक नहीं हो पाई, बगैर लाइट का अव्यवस्थित सक्जी

बाजार व्यवस्थित नहीं हो रहा , सरकारी जमीन पर मीना बाजार लग गया, बजरिया स्कूल का मलबा हटाय़ा नहीं जा सका, इस सबके बावजूद भोपाल चौराहे पर अब सौन्दर्य करण के नाम पर मां नर्मदा की प्रतिमा लगाने की झक नगरपालिका पर सवार हो गई। जबकि भोपाल में स्थापित प्रतिमा का नाम नर्मदा रखने पर सरकार की बवंडर रोकने में सांस फूल गई थी। आखिर नगर में जन उपयोगी, जन हितैषी और व्यवस्थाओं के काम काज पूरे नहीं करके जन भावनाओं के विरुद्ध नगरपालिका ऐसे काम क्यों चुन लेती जिसकी सुगबुगाहट निजीव जनप्रतिनिधियों के नगर जन्म लेती है। आज नगर में

खड़ी प्रतिमाओं की नगरपालिका कितनी साज सहेज करती है, जिन्हें साल में एक बार धोया पोंछा जाता है, राष्ट्रीय वैचारिक इन नेताओं की प्रतिमाओं को अंधेरे में रहना होता है। जिनके नीचे आवाज़ तत्व जाम छलकाते, अब तक यह मजाक आम आदमी खासकर पार्टी का ईमानदार कार्यकर्ता सहता आ रहा पर अब तो हद हो गई किसी तरह का विरोध मुखर नहीं होने से जीवनदायिनी मां नर्मदा की प्रतिमा भोपाल तिराहे पर धूल धूसरित करने के सपने नपा के जिम्मेदार सजाने लगे। मां नर्मदा की प्रतिमा के भविष्य को लेकर इससे चौक चौराहों पर चर्चा गरमा गई।



कोठी बाजार नर्मदापुरम में भोजन प्रसादी निरंतर जारी

नर्मदापुरम। नगर में कोई भूखा ना रहे यह प्रयास और संकल्प जन सहयोग और दान राशी के सहयोग से निरंतर जारी है नर्मदा परिक्रमा वासी, भिक्षुक, असहाय, निर्धन जरूरत मंद लोगों को यहां प्रति दिन भोजन प्राप्त हो रहा है। श्राद्ध पंथ में अन्नदान करने के

इच्छुक व्यक्ति भी यहां आकर भोजनशाला में सहयोग राशि देकर गरीबों को भोजन कराते हैं। भोजन वितरण के संचालक संजय त्रिपाठी ने बताया कि विगत कई वर्षों से हमारा यह प्रयास जारी है नर्मदा मैया के आशीर्वाद से अनवरत जारी है।

साईंखेड़ा में आयोजित स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री श्री सिंह

नरसिंहपुर। स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता की थीम पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत प्रदेश के परिवहन व स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह जनपद पंचायत साईंखेड़ा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है। आज हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन है। उनके जन्मदिन के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसकी थीम है स्वभाव ही स्वच्छता- संस्कार ही स्वच्छता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी की दूरगामी सोच है कि हमारे स्वभाव में स्वच्छता शामिल है। इसकी ज़रूरत हमें और हमारे समाज को है। भारत और भारतीयता का विकास ही उनकी सोच का हिस्सा है। उनके इस स्वप्न को साकार करने के लिए हमें अपने स्वभाव एवं संस्कार में इसे शामिल कर स्वस्थ भारत एवं स्वच्छ भारत की परिकल्पना को पूरा करना होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश के शहर इंदौर में लोगों ने अपने स्वभाव व संस्कार में स्वच्छता को पूर्ण रूप से शामिल कर लिया है। इसलिए वह देश के स्वच्छता शहरों में अख्वा पायदान पर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस आह्वान से भारत एवं दुनिया में बदलाव देखने को मिला है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार हर वर्ग की चिंता कर रही है। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से पाँच लाख रुपये तक का इलाज हो रहा है। एयर एम्बुलेंस के माध्यम से इमरजेंसी में बीमार व्यक्ति को एयर लिफ्ट भी किया जा रहा है। मंत्री सिंह ने बताया कि जब वे वर्ष 1994 में जनपद अध्यक्ष थे तब आवास निर्माण के लिए पाँच हजार रुपये की राशि मिला करती थी। उसके बाद इंदौर आवास योजना अंतर्गत 35000 रुपये की राशि दी जाने लगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने यह समझा कि व्यक्ति के लिए पक्का आवास होना बहुत ज़रूरी है। इसके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत हुई। अब ग्रामीण क्षेत्र में 1.50 लाख रुपये की राशि दी जाने लगी है। आज प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को

उनकी पहली किरत का भी अंतरण किया जा रहा है। इस कड़ी में साईंखेड़ा जनपद के 870 हितग्राहियों को आवास की पहली किरत की राशि भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं प्रदेश मुखिया डॉ. मोहन यादव को इसके लिए धन्यवाद ज़ापित किया। यहाँ उन्होंने जनपद पंचायत सीईओ को निर्देशित किया कि साईंखेड़ा जनपद अन्तर्गत जिन गावों में एक भी आवास नहीं मिला है, उनकी सूची कारण के साथ प्रस्तुत करेंगे।

मंत्री श्री सिंह ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत श्रमदान में की सहभागिता

स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता की थीम पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत मंत्री श्री सिंह ने साईंखेड़ा में दादा धूनी दरबार मंदिर परिसर की साफ- सफाई कर श्रमदान किया। इस दौरान पूर्व विधायक श्रीमती साधना स्थापक, नगर परिषद साईंखेड़ा अध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व गणमान्य नागरिकों ने भी श्रमदान किया। इसके पश्चात मंत्री श्री सिंह ने संयुक्त तहसील कार्यालय पहुंचकर पौधरोपण किया। विदित है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है।

सीएम राइज स्कूल के विद्यार्थियों से किया संवाद

परिसर में मौजूद सीएम राइज स्कूल के बच्चों से संवाद किया। मंत्री श्री सिंह ने बच्चों से आज के दिन के बारे में पूछा। बच्चों ने बताया कि आज गंगा दशहरा एवं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिवस है। इस अवसर पर बच्चों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के लिए जियो हजारों साल गाना भी गुणगुनाया। मंत्री श्री सिंह ने भी बच्चों के साथ यह गाना गाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा स्कूल व सीएम राइज स्कूल प्रारंभ करवाये हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि यहाँ बनने वाली सीएम राइज स्कूल की बिल्डिंग ज़िले की सबसे अच्छी स्कूल बिल्डिंग होगी।

ग्राम पंचायत रम्पुरा में खुलेगा हाई स्कूल,50 लाख रुपये स्कूल भवन के लिये देने की घोषणा

विद्यार्थी अब डेस्क पर बैठकर करेंगे पढ़ाई,मेधावी विद्यार्थी सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री श्री सिंह

नरसिंहपुर। प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने ग्राम पंचायत रम्पुरा में हाई स्कूल भवन के लिए पचास लाख रुपये देने की घोषणा शासकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर रम्पुरा में आयोजित मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि गाँव में रहने वाले बच्चों को दूर जाकर पढ़ाई ना करनी पड़े, इसके लिए अब यहाँ हाई स्कूल का संचालन आगले शैक्षणिक सत्र से होगा। यहाँ माध्यमिक शाला में अध्यनरत विद्यार्थियों के लिए 75 डेस्क उपलब्ध कराने की भी बात कही। बच्चे अब टाट फट्टी पर बैठकर नहीं बल्कि डेस्क पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करेंगे। विदित है कि इस विद्यालय में 105 बच्चे दर्ज हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि यह भ्रम है कि गाँव में पढ़ाई करने वाला बच्चा आगे नहीं बढ़ सकता। हमारे सामने कई उदाहरण है जहां गाँव के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। ये बच्चे आज उच्च प्रशासनिक पदों पर आसीन होकर अपनी



सेवाएं दे रहे हैं। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सभी स्कूल अच्छे होते हैं। निजी स्कूलों से बेहतर प्रदर्शन हमारे शासकीय स्कूलों ने किया है। आवश्यकता है शिक्षक द्वारा समर्पित भाव से बच्चों को पढ़ाने की। प्रदेश के शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों ने प्रदेश की मेरिट सूची में अपना स्थान बनाया है। प्रदेश सरकार पुनः शासकीय स्तर पर शिक्षा को स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है। अब अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा के लिए चिंता करने की जरूरत नहीं है। वर्तमान दौर के अनुरूप डिजिटल एजुकेशन को महत्व दिया हा

रहा है। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए मंत्री श्री सिंह ने मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान किया। इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधि, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल ज्योहार, डीपीसी श्री देवेश वैद्य, शाला परिवार, विद्यार्थी व अभिभावक और ग्रामवासी मौजूद थे। मंत्री श्री सिंह ने कक्षा दूसरी की मेहरीस, विनायक व शबनम बी, कक्षा तीसरी की राशि, कक्षा चौथी की संस्था, सत्यम पाली व भूमि और कक्षा 5 वीं की हरिगोपाल, फेजल व आकाश नामदेव का सम्मान किया।

स्वच्छता ही सेवा राष्ट्रव्यापी अभियान में शामिल हुए पूर्व राज्यमंत्री श्री पटेल

नरसिंहपुर। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता थीम पर स्वच्छता ही सेवा राष्ट्रव्यापी अभियान का जिले में शुभारंभ हुआ। यह अभियान प्रदेश सहित जिले में 17 सितम्बर से शुरू होकर 02 अक्टूबर गांधी जयंती तक आयोजित किया जायेगा। इस दौरान स्वच्छता संबंधी विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में नरसिंहपुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले हाई स्कूल चंदन देवी रौसरा में पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल स्वच्छता कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में अतिथियों ने पौधारोपण कर प्रकृति



संरक्षण का भी संदेश दिया। यहां उनके द्वारा दो स्वच्छता कर्मियों का सम्मान भी किया गया। इस दौरान उन्होंने यहां मौजूद लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संदेश को सुना। पूर्व राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्वच्छता के प्रति संवेदनशील हैं तथा वह स्वयं स्वच्छता कार्यों में सहभागिता करते हुए देश वासियों को प्रेरित करते हैं। हम सभी को उनसे प्रेरणा लेकर स्वच्छता बनाये रखने में अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए स्वच्छ भारत परिकल्पना को पूर्ण करने में अपना योगदान देना चाहिए।

क्षेत्रीय सांसद दर्शनसिंह के मुख्य आतिथ्य में सनफ्लावर स्कूल परिसर में किया गया शिक्षकों का सम्मान

सुबह सवरे सोहागपुर सनफ्लावर स्कूल परिसर में अशासकीय शिक्षण संगठन के तत्वावधान में शिक्षक सम्मान समारोह सांसद दर्शनसिंह चौधरी मुख्य आतिथ्य एवं क्षेत्रीय विधायक ठाकुर विजयपालसिंह जी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटेल के अलावा कई अतिथि मंचासीन थे। इस अवसर पर अतिथियों ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वागत गीत सनफ्लावर स्कूल की छात्राओं ने प्रस्तुत किया। विवेकानंद पब्लिक स्कूल के संचालक अनिल गहैया ने अशासकीय शिक्षक संगठन पर सारगर्भित उद्घोषन देकर कहा कि इस संगठन 12 वर्षों से विशिष्ट भूमिका निभा रहा है।क्षेत्रीय सांसद दर्शनसिंह चौधरी ने कहा कि प्राइवेट संस्थानों के शिक्षक बहुत कम सैलरी में भी अधिक कार्य करते हैं। आज 80व बच्चे इन प्राइवेट स्कूलों में ही पढ़ते हैं । इन्हीं स्कूलों का रिजल्ट उत्कृष्ट आता है । वहीं इन संस्था के



शिक्षक अपने कर्म से पहचाने जाते हैं । इसी कारण उन्हें सम्मान प्राप्त होता है। कार्यक्रम अध्यक्ष विधायक विजयपालसिंह ने कहा कि हम सभी के जीवन में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हमें समाज में रहने और आगे बढ़ने की सीख देने के साथ-साथ शिक्षक हमें जीवन जीना भी सिखाते हैं। शिक्षक न सिर्फ हमारे भविष्य को संवारते हैं। इसके साथ देश निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम को कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

सनफ्लावर एक्सलेंस स्कूल के संचालक संदीप साहू ने बताया कि करीबन 46 अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों का सम्मान किया गया। वहीं संगठन की नई पहल , ‘एक पेड़ मां के नाम सभी को देकर कहा गया कि इसे बच्चे ‘जैसे सहेजे’ इस अवसर अशासकीय शिक्षण संगठन के अध्यक्ष बलिराम प्रजापति , संगठन के पदाधिकारी,शिक्षकों के अलावा जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

